संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-22 अंक- 316
पृष्ठ 8
बुधवार
05 अगस्त 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- घर के सामने बिल्कुल भी...

विचार- मोदी का पलायन और राहुल का...

खेल- आकिब नबी के जरिये क्या अगरकर...

**राम मंदिर विवाद पर मुख्यमंत्री योगी का पलटवार, बोले-**

## साधु-संत दोषी नहीं, विपक्ष का आचरण सनातन विरोधी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रेसवार्ता कर कहा, राम मंदिर में जो भी घटना हुई है, उसका संतों से कोई लेना-देना नहीं है। संतों को कठघरे में खड़ा करना बेहद चिंताजनक है और यह आस्था पर चोट करने जैसा है। पूरा सच रामभक्त जानते हैं। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा हमेशा से सनातन विरोधी रही है और यही लोग राम जन्मभूमि आंदोलन का लगातार विरोध करते रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 22 जनवरी 2024 में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए सभी को आमंत्रित किया गया था, लेकिन विपक्ष के नेता उसमें शामिल नहीं हुए। अब वही लोग आस्था की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ष्जो लोग अयोध्या की गलियों को खून से लाल कर चुके हैं, वे आज आस्था की बात कर रहे हैं। जो भगवान कृष्ण को नहीं मानते, वे भी आज धर्म की दुहाई दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस जनता के मुद्दों पर चर्चा नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल विरोध की राजनीति करता है और जनहित के विषयों से बचता है। डबल इंजन सरकार ने पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। अब प्रदेश बीमारू राज्य नहीं रहा और न ही पहचान के संकट से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश का युवा आत्मनिर्भर बन रहा है और विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। सपा और कांग्रेस का आचरण न केवल धर्म का अपमान है, बल्कि जनता से जुड़े मुद्दों का भी अनादर है। उन्होंने विपक्ष से जनहित के विषयों पर सार्थक चर्चा करने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सदन में समाजवादी पार्टी व विपक्षी सदस्यों को जमकर आड़े हाथ लिया। उन्होंने सपा विधायकों के अभद्रतापूर्ण आचरण पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी व विपक्ष का आचरण असंवैधानिक और शर्मनाक है। विपक्ष सदन की कार्यवाही को प्रभावित कर 25 करोड़ जनता के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहा है, जिसे सभी प्रदेशवासी देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून सत्र में सभी सदस्यों के पास बेहतरीन अवसर था कि वे 25 करोड़ जनता की भावनाओं और हितों को ध्यान में रखकर सदन में उनसे जुड़े मुद्दों को लेकर चर्चा-परिचर्चा करें। लेकिन, जिन लोगों का लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास नहीं है, वे लोग संसदीय लोकतंत्र को पुष्ट करने वाली सभी संस्थाओं की अवमानना व अपमान करते हैं। समाजवादी पार्टी व विपक्ष का यह आचरण न केवल असंवैधानिक, बल्कि शर्मनाक भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दलीय नेताओं की बैठक व बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के तहत पहले ही सदन का एजेंडा तय किया गया था, लेकिन विपक्षी दलों के सदस्यों ने उसके तहत सदन में विधायी कार्य या अनुपूरक बजट से जुड़े एक भी प्रस्ताव पर रुचि नहीं ली। इसके विपरीत ये लोग अनावश्यक मुद्दों को उठाकर सदन का बहुमूल्य समय नष्ट करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन प्रारंभ होने से पहले ही दलीय नेताओं की बैठक में सत्ता पक्ष की ओर से मैंने व संसदीय कार्य मंत्री ने आश्वस्त किया था कि नियम के अंतर्गत सदन में जो भी प्रस्ताव आएंगे, उन पर चर्चा होगी और सरकार उसका जवाब भी देगी। लेकिन, सपा व विपक्षी दलों का सदन में चर्चा, संवैधानिक मूल्यों और सदन की उच्च परंपराओं पर विश्वास ही नहीं है। इनके द्वारा लगातार सदन को प्रभावित करके प्रदेश की 25 करोड़ जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

**विदेश मंत्रालय का पाकिस्तान पर तीखा प्रहार**

## पीओके चुनाव को बताया ढकोसला

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने आज आयोजित साप्ताहिक प्रेस वार्ता में पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की स्थिति, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते, भारत-चीन संबंध, बांग्लादेश, म्यांमार, ब्रिक्स और यूक्रेन में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सहित अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर भारत का स्पष्ट और दृढ़ पक्ष रखा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति पर पूरी तरह अडिग है और पाकिस्तान को अपनी धरती पर सक्रिय आतंकी ढांचे को पूरी तरह ध्वस्त करना होगा। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कराए जा रहे तथाकथित दूसरे चरण के स्थानीय चुनावों को विदेश मंत्रालय ने पूरी तरह ढकोसला करार दिया। रणधीर जायसवाल ने कहा कि वास्तविकता यह है कि पीओके में जनता लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही है और पाकिस्तानी

सुरक्षा बलों द्वारा आम नागरिकों पर दमन जारी है। उन्होंने बताया कि जून 2026 से अब तक कार्रवाई के दौरान कम से कम 90 नागरिकों की जान जा चुकी है तथा अनेक लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जनता के असंतोष का जवाब गोलियों, इंटरनेट ब्लैकआउट, धमकी और दमन से दे रहा है तथा अब खोखले चुनावों के माध्यम से वैधता का दिखावा करने का प्रयास कर रहा है।

### ओएमआर शीट में गड़बड़ी का आरोप लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे छात्र

नयी दिल्ली,एजेंसी। चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) देने वाले छह अभ्यर्थियों ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल कर आरोप लगाया कि परीक्षा के दौरान ओएमआर शीट पर उनके द्वारा अंकित उत्तर और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा उपलब्ध कराई गई शीट की प्रतियों के बीच विसंगतियां थीं।

अभ्यर्थियों द्वारा दाखिल याचिका का विशेष उल्लेख प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ के समक्ष किया गया और काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होने से पहले मामले की सुनवाई का अनुरोध किया गया। अभ्यर्थियों की ओर से पेश अधिवक्ता ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ को बताया कि यह मामला उन छह छात्रों से जुड़ा है, जिन्होंने 600 और 650 से ज़्यादा अंक हासिल किए थे, लेकिन उनका दावा है कि एनटीए की ओर से अपलोड की गई ओएमआर शीट, परीक्षा के दौरान उनके द्वारा अंकित उत्तरों से अलग है। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि छात्रों ने एनटीए को ईमेल किया था और वे लोग (एनटीए) कार्यालय भी गए थे, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद पीठ ने अभ्यर्थियों की याचिका की सुनवाई को अपनी सहमति दी। नीट-यूजी 2026 परीक्षा शुरुआती तौर पर तीन मई को आयोजित की गई थी, लेकिन प्रश्नपत्र लीक के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई और एनटीए द्वारा 21 जून को दोबारा परीक्षा कराई गई।

### वैष्णो देवी मंदिर में 500 करोड़ की नकली चांदी मामला

जम्मू,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित श्री माता वैष्णो देवी मंदिर से जुड़े कथित 500 करोड़ रुपये की नकली चांदी मामले में एक स्थानीय अदालत ने विस्तृत जांच रिपोर्ट तलब की है। साथ ही, अदालत ने मामले से संबंधित साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के अनुरोध वाली अर्जी पर कदम उठाने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (जम्मू) मुनीष कुमार मनहास ने 29 जुलाई को यह आदेश उस अर्जी पर सुनवाई के दौरान दिया, जिसे अधिवक्ता दीपक शर्मा ने दायर किया था। अर्जी में मामले से जुड़े भौतिक, दस्तावेजी और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को तत्काल सुरक्षित रखने का अनुरोध किया गया। इससे पहले, दीपक शर्मा ने नौ मई को पुलिस महानिरीक्षक (अपराध शाखा), जम्मू तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (आर्थिक अपराध शाखा), जम्मू के समक्ष एक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि श्रद्धालुओं द्वारा श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ाई गई लगभग 20 टन चांदी में मिलावट, अदला-बदली, चोरी तथा संभावित गबन किया गया है।

## हंगामे के बीच राज्यसभा से जन्म-मृत्यु पंजीकरण बिल को मंजूरी

नई दिल्ली,एजेंसी। राज्यसभा ने मंगलवार को विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे और नारेबाजी के बीच जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित हो गया। यह विधेयक 31 जुलाई को लोकसभा में पहले ही पारित किया जा चुका था। विधेयक पारित होने के बाद, उपसभापति हरवंश नारायण सिंह ने सदन को बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया। जब सदन दोपहर 2 बजे सब फिर से एकत्रित हुआ, तो उपसभापति ने गृह मामलों के राज्य मंत्री नित्यानंद राय को विधेयक पर विचार करने के लिए प्रस्ताव पेश करने के लिए बुलाया। परिचय के बाद, उपाध्यक्ष ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने की अनुमति दी। खरगे ने कहा कि सदन में अनुशासन बनाए रखने का एकमात्र तरीका प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का आकर बयान देना है। हालांकि, अध्यक्ष ने उन्हें बोलने की

अनुमति नहीं दी और छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की फूलो देवी नेताम को विधेयक पर बोलने के लिए बुलाया। नेताम ने इस बात पर जोर दिया कि गृह मंत्री को सदन में उपस्थित होना चाहिए क्योंकि यह विधेयक उनके विभाग से संबंधित है। उपाध्यक्ष ने उनसे बार-बार विधेयक पर ही अपनी टिप्पणी सीमित रखने का आग्रह किया, लेकिन वह गृह मंत्री की उपस्थिति की मांग करती रहीं। इसके बाद अध्यक्ष ने उन्हें बीच में ही रोक दिया और उत्तर प्रदेश से भाजपा की दर्शना सिंह को बोलने के लिए आमंत्रित किया। तमिलनाडु से डीएमके के तिरुचि शिवा ने भी गृह मंत्री के मंत्रालय से संबंधित एक महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के दौरान उनकी अनुपस्थिति का मुद्दा उठाया। उपाध्यक्ष ने उन्हें केवल विधेयक पर बोलने का निर्देश दिया और आगे बोलने की अनुमति नहीं दी, बल्कि इसके बजाय ओडिशा से बीजद के संतृप्त मिश्रा को बुलाया। पूरी कार्यवाही के दौरान विपक्षी सदस्यों ने लगातार नारेबाजी जारी रखी। संक्षिप्त बहस में कई अन्य सदस्यों ने भी भाग लिया। बोलने वालों में वाईएसआरसीपी (आंध्र प्रदेश) के मेदा रघुनाधा रेड्डी, एआईएडीएमके (तमिलनाडु) के डॉ. एम. थंबीदुरई और डॉ. एम. धनपाल, बीआरएस (तेलंगाना) के रवि चंद्र वद्दीराजू, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (असम) के प्रमोद बोरो, भाजपा (पश्चिम बंगाल) के बिस्वजीत सिन्हा और शिवसेना (महाराष्ट्र) के ज्योति नागनाथ वाघमारे शामिल थे। सीपीआई (एम) के ए.ए. रहीम और संतोष कुमार पी. ने भी गृह मंत्री की अनुपस्थिति पर सवाल उठाए। संतोष कुमार पी. ने टिप्पणी की कि विधेयक को गृह मंत्री द्वारा पेश किया जाना था और बाद में कहा, श्गृह मंत्री ही विधेयक का विषय हैं।श इस बहस पर प्रतिक्रिया देते हुए गृह मामलों के राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य देश भर में प्रत्येक जन्म और मृत्यु का पंजीकरण सुनिश्चित करना है।

### ई20 पेट्रोल पर पंजाब विधानसभा की आपत्ति, केंद्र से अनिवार्यता रोकने का आग्रह

चंडीगढ़,एजेंसी। पंजाब विधानसभा ने मंगलवार को केंद्र सरकार से देशभर में ई20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित) पेट्रोल की अनिवार्य बिक्री पर रोक लगाने का आग्रह करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। सदन ने कहा कि जिन वाहनों को मूल रूप से ई20 ईंधन के उपयोग के लिए डिजाइन या प्रमाणित नहीं किया गया है, उन्हें यह ईंधन इस्तेमाल करने के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। प्रस्ताव में मांग की गई कि उपभोक्ताओं को इथेनॉल-मुक्त पेट्रोल और ई20 पेट्रोल, दोनों का विकल्प उपलब्ध कराया जाए। साथ ही कहा गया कि जब

तक पुराने वाहनों की ई20 के साथ संगतता वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं हो जाती, तब तक उनके लिए इस ईंधन का उपयोग अनिवार्य नहीं किया जाए। विधानसभा ने यह भी सिफारिश की कि ई20 पेट्रोल की अपेक्षाकृत कम कैलोरिफिक वैल्यू और संभावित कम माइलेज को देखते हुए इसकी खुदरा कीमत उसी अनुरूप तय की जाए, ताकि उपभोक्ताओं को कम माइलेज देने वाले ईंधन के लिए सामान्य पेट्रोल के बराबर कीमत न चुकानी पड़े। सदन ने केंद्र सरकार से ऑटोमोबाइल इंजीनियरों, पेट्रोलियम विशेषज्ञों, पर्यावरण वैज्ञानिकों, उपभोक्ता संगठनों और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों की एक स्वतंत्र समिति गठित करने का भी आग्रह किया। प्रस्ताव में कहा गया कि यह समिति ई20 के वाहन संगतता, ईंधन दक्षता, रखरखाव लागत, उपभोक्ताओं पर आर्थिक प्रभाव, पर्यावरणीय असर और राज्यों से जुड़े मुद्दों का व्यापक अध्ययन करे। चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दावा किया कि नागरिक मंच लोकल सर्किल द्वारा 45,000 वाहनों पर किए गए अध्ययन में ई20 ईंधन से वाहनों की माइलेज प्रभावित होने और उन्हें नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है।

### राम जन्मभूमि ट्रस्ट पर लगे आरोपों पर सरकार जवाब दे : खरगे

नयी दिल्ली,एजेंस। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय और प्रशासनिक मामलों पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट में बहुमूल्य भेंटों, नकद दान, जमीन खरीद और प्रबंधन को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं, जिन पर सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। श्री खरगे ने कहा कि यह मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा हुआ है। उन्होंने याद दिलाया कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था, जिसकी घोषणा स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में की थी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने ट्रस्ट को 70 एकड़ से अधिक भूमि सौंपी है और प्रधानमंत्री भूमि पूजन से लेकर प्राण प्रतिष्ठा तक हर महत्वपूर्ण अवसर पर मौजूद रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में प्रधानमंत्री कथित चढ़ावा चोरी समेत ट्रस्ट से जुड़े अन्य गंभीर आरोपों पर जवाबदेही से बच नहीं सकते। श्री खरगे ने सवाल उठाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), आयकर विभाग और अन्य जांच एजेंसियां इस मामले में क्या कार्रवाई कर रही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रभु राम के नाम पर यदि किसी भी प्रकार की लूट या अनियमितता हुई है तो उसके जिम्मेदार लोगों को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि देश को गुमराह करने का प्रयास बंद होना चाहिए।

## युवाओं को रील्स नहीं, नौकरियां चाहिए-जयराम

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। विपक्षी पार्टी ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार की श्गलतश आर्थिक और रोजगार नीतियों के कारण देश का पूरा रोजगार बाजार श्गहरे संकटश में पहुंच गया है। पार्टी ने कहा कि युवाओं को खुश करने के लिए केवल रील्स बनाना काफी नहीं है, उन्हें नौकरियों की जरूरत है।

विपक्षी पार्टी ने दावा किया कि मोदी सरकार युवाओं के रोजगार संकट का समाधान निकालने के बजाय सुर्खियां बटोरने और मुद्दों से ध्यान भटकाने की राजनीति में लगी हुई है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि देश की बड़ी घरेलू कंपनियां पहले की तुलना में अब कम कर्मचारियों को नौकरी दे रही हैं। मीडिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि देश की बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों में नई भर्तियों की रफ्तार धीमी हो गई है। खासतौर पर सेंसेक्स-30 इंडेक्स में शामिल 11 बड़ी कंपनियों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान नई भर्तियां 2023-24 की तुलना में 27 फीसदी कम हो गई हैं। रमेश ने पोस्ट में कहा, हम जो लगातार कहते आ रहे हैं, वह सच साबित हो रहा है। मोदी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गहरा नुकसान पहुंचाया है। इसका सबसे बड़ा असर युवाओं पर पड़ा है। उन्होंने कहा, पिछले एक साल में देश की शीर्ष 11 कंपनियों में से 9 कंपनियों में नई नौकरियों में 27 फीसदी की गिरावट दिखाती है कि देश गंभीर रोजगार संकट से जूझ रहा है। इसके बावजूद समाधान तलाशने के बजाय यह श्अहंकारीश सरकार इस समस्या के होने से ही इनकार कर रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा, यह खबर तो सिर्फ एक झलक है। जब बड़ी कंपनियों की यह स्थिति है, तो आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि छोटे और मझोले उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्र की हालत कितनी खराब होगी, जो मोदी सरकार की गलत श्हम दो, हमारे दोश नीतियों का सबसे ज्यादा नुकसान उठा रहा है। रमेश ने कहा, कड़वी सच्चाई यह है कि मोदी सरकार की गलत आर्थिक और रोजगार नीतियों ने पूरे देश के रोजगार बाजार को गहरे संकट में डाल दिया है।

## अंक बढ़ाने का लालच देकर परीक्षा कॉपियों के मूल्यांकन में धोखाधड़ी का खेल

प्रयागराज। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की कापियों का डिजिटल मूल्यांकन प्रयागराज, वाराणसी और मेरठ में शुरू हो गया है। इस दौरान साइबर ठग छात्रों को अंक बढ़ाने का प्रलोभन देकर गुमराह करने में जुट गए हैं। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की कापियों का डिजिटल मूल्यांकन प्रयागराज, वाराणसी और मेरठ में शुरू हो गया है। इस दौरान साइबर ठग छात्रों को अंक बढ़ाने का प्रलोभन देकर गुमराह करने में जुट गए हैं। इस जानकारी के बाद यूपी बोर्ड ने छात्रों की सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। यूपी बोर्ड परीक्षा में करीब 39 हजार कापियों का मूल्यांकन प्रयागराज, मेरठ और वाराणसी में हो रहा है। मूल्यांकन की भनक लगते ही साइबर ठगों की सक्रियता बढ़ गई है। सूत्रों के अनुसार, ठग छात्रों को फोन कर अंक बढ़वाने का लालच दे रहे हैं। वे फर्जी विवरण देकर खुद को यूपी बोर्ड का कर्मचारी बताकर छात्रों को झांसे में ले सकते हैं। हालांकि, कोई लिखित शिकायत सामने नहीं आई है, लेकिन परिषद कार्यालय में ठगी की चर्चा है। सचिव भगवती सिंह ने छात्रों से ऐसे किसी भी कॉल, मैसेज या ईमेल का संज्ञान न लेने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिषद कभी भी व्यक्तिगत रूप से परीक्षार्थियों से संपर्क नहीं करता है। भगवती सिंह ने छात्रों से अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी को भी मुहैया न कराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई कॉल आने पर उसे रिकॉर्ड करें और तत्काल शिकायत दर्ज कराएं। छात्रों को डीआईओएस अथवा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने को कहा गया है। यह कदम छात्रों को ठगी से बचाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। बोर्ड ने छात्रों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने का आग्रह किया है। व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचने की सलाह दी गई है।

क्षेत्रीय कार्यालयों के हेल्पलाइन नंबर

शिकायत दर्ज कराने के लिए अपर सचिव क्षेत्रीय कार्यालयों के मोबाइल नंबर भी जारी किए गए हैं। मेरठ क्षेत्र के लिए 9454457256 और बरेली के लिए 9415060575 नंबर उपलब्ध है। प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के लिए 9410077710 और वाराणसी के लिए 9450964432 नंबर है। गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय के लिए 9415259462 पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

## फिर बढ़ने लगा गंगा-यमुना का जलस्तर, लगातार बारिश से दूसरे दिन भी जारी रही बढ़ोत्तरी

प्रयागराज। जिले में गंगा और यमुना के जलस्तर में रविवार शाम से रात के बीच मामूली उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया। शाम चार बजे से रात आठ बजे के बीच नैनी में यमुना का जलस्तर पांच सेंटीमीटर बढ़कर 74.58 मीटर पहुंच गया। जिले में गंगा और यमुना के जलस्तर में रविवार शाम से रात के बीच मामूली उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया। शाम चार बजे से रात आठ बजे के बीच नैनी में यमुना का जलस्तर पांच सेंटीमीटर बढ़कर 74.58 मीटर पहुंच गया। वहीं, छतनाग में गंगा का जलस्तर आठ सेंटीमीटर बढ़कर 74.06 मीटर दर्ज किया गया। दूसरी ओर फाफामऊ में गंगा का जलस्तर एक सेंटीमीटर घटकर 77.91 मीटर हो गया। शाम चार बजे नैनी में यमुना का जलस्तर 74.53 मीटर, फाफामऊ में गंगा का 77.92 मीटर और छतनाग में गंगा का जलस्तर 73.98 मीटर थी। चार घंटे बाद रात आठ बजे नैनी में पांच सेंटीमीटर और छतनाग में आठ सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज हुई जबकि फाफामऊ में एक सेंटीमीटर की मामूली गिरावट रही। सभी नदियां अब भी खतरे के निशान 84.734 मीटर से काफी नीचे बह रही हैं। सोमवार रात आठ बजे की तुलना में मंगलवार सुबह आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 77.99 मीटर से बढ़कर 78.01 मीटर हो गया। वहीं छतनाग में गंगा 74.39 मीटर से बढ़कर 74.45 मीटर पर पहुंच गई। दूसरी ओर नैनी में यमुना का जलस्तर 74.80 मीटर से घटकर 74.78 मीटर दर्ज किया गया। बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो फाफामऊ क्षेत्र में 18.4 मिमी और नैनी में 2.4 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि छतनाग क्षेत्र में बारिश नहीं हुई। इसके बावजूद नदियों में किसी तरह की तेज बढ़ोतरी नहीं हुई।

## बेकाबू अप्पे पलटा, सवारी बाल-बाल बचे

प्रयागराज। लखनऊ हाईवे पर सोमवार शाम करीब सवा सात बजे एक बेकाबू अप्पे पलट गया। हादसे में मां-बेटी समेत तीन सवार बाल-बाल बच गए। दुर्घटना रेरुआ बाजार के पास सम्हई गांव की है। अप्पे मंसूराबाद से कौड़िहार की ओर जा रहा था। सम्हई के पास अचानक चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे अप्पे सड़क किनारे खाई में पलट गया। मौके पर पहुंचे सम्हई गांव निवासी भाजपा नेता विनोद ओझा समेत अन्य लोगों ने अप्पे में फंसे सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। चौकी प्रभारी ने बताया कि हादसे में कोई हताहत नहीं है न किसी को गंभीर चोटें आई हैं।

## टटोली जा रही है नब्ज, जिले में भाजपा करा रही गोपनीय सर्वे

प्रयागराज। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियों को धार देनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में प्रयागराज जिले में पार्टी का गोपनीय सर्वे शुरू हो चुका है, जिसके जरिये विधानसभा क्षेत्रवार नब्ज टटोली जा रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पार्टी अब तक दो आंतरिक सर्वे करा चुकी है। विशेष टीमों ने सीधा फीडबैक लिया है। पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए एक निजी एजेंसी के माध्यम से तीसरा सर्वे भी कराया जा रहा है। चुनाव में जिताऊ और मजबूत प्रत्याशियों को मैदान में उतारने की मंशा से हो रहे इन सर्वे की रिपोर्ट सीधे राज्य और केंद्रीय नेतृत्व को सौंपी जाएगी। दरअसल, भाजपा की ओर से 403 सीटों पर चलाए जा रहे इस गोपनीय अभियान के तहत रेंडम कॉल्स के जरिये आम जनता से रायशुमारी की जा रही है। प्रयागराज जिले की सभी 12 विधानसभा सीटों पर संभावित प्रत्याशियों की स्थिति को लेकर गहन मंथन जारी है। जिले की इन सीटों पर वर्तमान में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के आठ विधायक हैं। उनकी आम जनता के बीच छवि, क्षेत्र में सक्रियता, जनप्रियता और कामकाज के तौर-तरीकों को लेकर गोपनीय ढंग से फीडबैक जुटाया जाया जा रहा है ताकि उच्च नेतृत्व के पास सही रिपोर्ट पहुंचे और यही टिकट वितरण का मुख्य आधार बने।

चुनाव में अभी वक्त है लेकिन दावेदारों के बीच अभी से होड़ है। प्रयागराज उत्तरी, प्रयागराज दक्षिणी, प्रयागराज पश्चिमी, फूलपुर, सोरांव, फाफामऊ, हंडिया, प्रतापपुर, बारा, मेजा, करछना और कोरांव विधानसभा सीटों पर टिकट के कई दावेदार अपनी जमीन मजबूत करने और नेतृत्व तक पहुंच बनाने में जुट गए हैं। कुछ ने तो होर्डिंग, वॉल पेंटिंग आदि भी लगवानी शुरू कर दी है। इस बारे में भाजपा काशी प्रांत उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता का कहना है कि पार्टी में सभी को टिकट मांगने का पूरा अधिकार है। सर्वे एक अलग विषय है

# UPESSC भर्ती परीक्षा: 125 में 35 सवाल गलत, हाई कोर्ट बोला- सचिव और परीक्षा नियंत्रक कोर्ट में आकर बताएं ये कैसे हुआ?

प्रयागराज। अदालत ने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के सचिव और परीक्षा नियंत्रक को 5 अगस्त 2026 को दोपहर 2 बजे व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। दोनों अधिकारियों को शपथपत्र दाखिल कर यह स्पष्ट करना होगा कि प्रश्नों का निर्माण किस प्रक्रिया के तहत किया जाता है, विशेषज्ञों का चयन कैसे होता है और भविष्य में इस प्रकार की गंभीर त्रुटियों को रोकने के लिए क्या व्यवस्था है।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की भर्ती परीक्षा में बड़ी संख्या में गलत प्रश्न पूछे जाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने कहा कि आयोग के सचिव और परीक्षा नियंत्रक स्वयं न्यायालय में उपस्थित होकर शपथपत्र के माध्यम से यह बताएं कि आखिर प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया क्या है और 125 प्रश्नों में से 35 प्रश्न (आयोग के अनुसार 33 प्रश्न) गलत कैसे पाए जा रहे हैं।

गलत सवालों के अंक दूसरे प्रश्नों में वितरित करना समाधान नहीं

अदालत ने स्पष्ट किया कि इतनी बड़ी संख्या में त्रुटिपूर्ण प्रश्न होना गंभीर चिंता का विषय है और केवल गलत प्रश्नों के अंक अन्य प्रश्नों में वितरित कर देना इसका स्थायी समाधान नहीं हो सकता। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकलपीठ ने यह आदेश रिट-ए संख्या 9799/2026, आदित्य कुमार सिंह एवं 17 अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य की सुनवाई के दौरान पारित किया।

हाईकोर्ट असंतुष्ट

सुनवाई में आयोग की ओर से अधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि पहले सिलेबस से बाहर पाए गए 29 प्रश्नों के अतिरिक्त विशेषज्ञों ने चार अन्य प्रश्न भी गलत पाए हैं। इस प्रकार कुल 125 प्रश्नों में से 33 प्रश्न त्रुटिपूर्ण पाए गए। आयोग ने इन प्रश्नों के अंक शेष सही प्रश्नों में वितरित करते हुए नई संशोधित चयन सूची तैयार की है, जिसमें 42 नए अभ्यर्थियों को चयन सूची में शामिल किया गया है। हालांकि, हाईकोर्ट ने आयोग की इस कार्यवाही पर असंतोष व्यक्त किया।

परीक्षा आयोजित करने की पूरी प्रक्रिया की गुणवत्ता पर सवाल

अदालत ने कहा कि जब किसी परीक्षा में 25 प्रतिशत से अधिक प्रश्न गलत पाए जा रहे हों, तब केवल अंक पुनर्वितरित कर देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। न्यायालय ने टिप्पणी की कि यह मामला केवल परिणाम संशोधित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा आयोजित करने की पूरी प्रक्रिया की गुणवत्ता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

पांच अगस्त को पेश हों सचिव व परीक्षा नियंत्रक

अदालत ने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के सचिव और परीक्षा नियंत्रक को 5 अगस्त 2026 को दोपहर 2 बजे व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। दोनों अधिकारियों को शपथपत्र दाखिल कर यह स्पष्ट करना होगा कि प्रश्नों का निर्माण किस प्रक्रिया के तहत किया जाता है, विशेषज्ञों का चयन कैसे होता है और भविष्य में इस प्रकार की गंभीर त्रुटियों को रोकने के लिए क्या व्यवस्था है।

हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आयोग का पूरा स्पष्टीकरण शपथपत्र के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 5 अगस्त 2026 को दोपहर 2 बजे संबंधित अन्य रिट याचिकाओं के साथ होगी।

# यूपी में ट्रिपल मर्डर: मूकबधिर दंपती समेत तीन का कत्ल, किराये के घर में मिले शव; तीनों के शरीर पर चोट के निशान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। शाहगंज थाना इलाके में तीन लोगों की हत्या का मामला सामने आया है। तीनों ही मूकबधिर बताए जा रहे हैं। तीनों के शव किराये के एक मकान में मिले हैं। प्रयागराज के शाहगंज थाना इलाके में मंगलवार को एक किराये के मकान में तीन लोगों की हत्या कर दी गई। मृतकों में पति-पत्नी समेत दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीनों मूकबधिर थे और उसी मकान में रहते थे। इस तिहरे हत्याकांड से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस की शुरुआती जांच में पुरुष के शरीर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। हालांकि, दोनों महिलाओं के शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। घटनास्थल से पुलिस को शराब की बोतलें भी बरामद हुई हैं। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि यह वारदात किसी विवाद या लड़ाई-झगड़े के बाद

हुई है। घटना की सूचना मिलते ही शाहगंज और खुल्दाबाद समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अब मृतकों की पहचान और हत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली रवि गुप्ता ने इस मामले पर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं से घटना की गहन जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक साक्ष्य महत्वपूर्ण होंगे। इन तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही इस घटना के संबंध में कुछ स्पष्ट कहा जा सकेगा। जिस किराये के मकान में यह वारदात हुई, वहां का माहौल तनावपूर्ण है। पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भय और आक्रोश है। पुलिस टीम लगातार पूछताछ कर रही है ताकि कोई सुराग मिल सके।

# आठ किलो देसी घी और 126.50 रुपये की लूट, 41 साल बाद मिली बेगुनाही, कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

प्रयागराज। आठ किलो देसी घी और 126.50 रुपये की लूट के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 41 साल बाद आरोपियों को बरी कर दिया है। इनमें से दो आरोपियों की मौत हो चुकी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि शिनाख्त परेड में हुई लंबी देरी की ठोस वजह नहीं बता सकना अभियोजन की बड़ी विफलता है। आरोपी इससे उपजे संदेह का लाभपाने का अधिकारी होता है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति संतोष राय की अदालत ने बदायूं में 41 साल पहले आठ किलो देसी घी और सवा सौ रुपये की लूट में सजा पाए कन्हई और कल्लू को बेगुनाह बताते हुए बरी कर दिया।

जबकि, सह-आरोपी हरपाल और दलचंद की अपील लंबित रहने के दौरान मौत हो जाने के कारण उनकी अपील पहले ही उपशमित हो चुकी है। इन्हें बदायूं की विशेष अदालत ने 15 मई 1987 को पांच साल की कैद की सजा सुनाई थी।

मामला बदायूं जिले के बिसौली थाना क्षेत्र का है। 21 फरवरी 1985 को राधेश्याम शर्मा ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि वह साइकिल से बिसाउली से अपने गांव पालिया जा रहे थे। कोट और बिसाउली के बीच सड़क किनारे चार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया।

उन्होंने चाकू उनकी छाती

पर रखकर उनसे चार किलो देसी घी के दो डिब्बे और 126.50 रुपये और कुछ किराने का सामान लूट लिया। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जेल भेजने के 42 दिन बाद शिनाख्त परेड कराई।

इसके बाद कन्हई, कल्लू, हरपाल और दलचंद के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया। 1987 में ट्रायल कोर्ट ने चारों आरोपियों को दोषी पाते हुए सजा सुना दी। इसके खिलाफ चारों ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की। कोर्ट ने पाया कि आरोपियों की शिनाख्त परेड जेल भेजे जाने के लगभग 42 दिन बाद और घटना के ढाई महीने बाद कराई गई थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि शिनाख्त परेड में हुई लंबी देरी की ठोस वजह नहीं बता सकना अभियोजन की बड़ी विफलता है। आरोपी इससे उपजे संदेह का लाभ पाने का अधिकारी होता है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति संतोष राय की अदालत ने बदायूं में 41 साल पहले आठ किलो देसी घी और सवा सौ रुपये की लूट में सजा पाए कन्हई और कल्लू को बेगुनाह बताते हुए बरी कर दिया। वहीं, एक अन्य मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) पर प्रतिबंध लगाने, लगाने, उसकी संपत्तियों के हस्तांतरण, सीबीआई जांच और बीसीसीआई के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका को खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता और करीब दो दशक पुराने घटनाक्रम को इस स्तर पर चुनौती नहीं दी जा सकती।

यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने द क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश की ओर से दायर याचिका पर दिया। याचिका में दावा किया गया था कि वर्ष 1955 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत गठित पुरानी द उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन का विधिसम्मत तरीके से विघटन नहीं किया गया।

## ट्रांसफार्मर खराब, मीरापुर में 13 घंटे बत्ती गुल

प्रयागराज। तेज बारिश और बिजली गिरने के कारण सोमवार को शहर के कई इलाकों में बिजली व्यवस्था चरमरा गई। कल्याणी उपकेंद्र के अंतर्गत मीरापुर ललितादेवी क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब छह बजे बिजली गुल हो गई। शाम करीब सात बजे ट्रॉली ट्रांसफार्मर लगाकर आपूर्ति बहाल की गई।

जेई लवकुश कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह करीब छह बजे बारिश और बिजली गिरने के कारण ट्रांसफार्मर में खराबी आ गई थी। बारिश बंद होने के बाद मरम्मत शुरू की गई। शाम को ट्रॉली ट्रांसफार्मर लगाकर आपूर्ति शुरू की गई।

स्थानीय निवासी पीसी वर्मा ने बताया कि बिजली न रहने से सुबह और शाम समय पानी की किल्लत हुई। ललितादेवी मंदिर के अध्यक्ष हरिमोहन ने बताया कि शाम करीब सात बजे बिजली आई। बमरौली उपकेंद्र में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे सीटी फुंक जाने से आपूर्ति बाधित हो गई। दो घंटे बाद आपूर्ति बहाल की गई। एसडीओ बीरेंद्र सिंह ने बताया कि पावर हाउस के अंदर सीटी फुंक गई थी। मरम्मत के बाद बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी गई। एसपीएस फीडर के केबल को नए खंभे पर शिफ्ट करने और बेनीगंज फीडर के ट्रांसफार्मर की साफ-सफाई के लिए भी एक से डेढ़ घंटे तक बिजली काटी गई।

बिजली चोरी की जांच करने गए कर्मचारी को बनाया बंधक

दरियाबाद क्षेत्र में बिजली चोरी और बिलिंग एक्सेप्शन की जांच करने पहुंची विभाग की टीम के साथ अभद्रता, सरकारी कार्य में बाधा डालने और विभागीय कर्मचारी को बंधक बनाने का आरोप लगा है। आरोप है कि जांच के दौरान कर्मचारी का फोन और सरकारी पत्रावली छीन ली गई व फोन में मौजूद विभागीय रिकॉर्ड और बिजली चोरी से संबंधित वीडियो को जबरन डिलीट किए गए। सोमवार को उपखंड अधिकारी कल्याणी देवी के नेतृत्व में अवर अभियंता लवकुश कुमार बिंद स्टाफ के साथ दरियाबाद क्षेत्र में बिजली चोरी रोकने व बिलिंग एक्सेप्शन की जांच कर रहे थे।

दोपहर करीब 1रू08 बजे टीम विद्युत चोरी के संदेह में एक उपभोक्ता के घर जांच करने पहुंची। इसी दौरान विभागीय कर्मचारी को बंधक बनाया गया। विभागीय कर्मचारी के अनुसार, बंधक ने किसी तरह वहां से निकलकर अपनी जान बचाई। घटना से बिजली विभाग के कर्मचारियों में आक्रोश है। अवर अभियंता लवकुश कुमार बिंद ने बताया कि आरोपी इश्तियाक अहमद खान के खिलाफ अतरसुइया थाना प्रभारी को शिकायती पत्र दिया है।

## गहरेबाजी में कदमताल के साथ दिखा रफ्तार का संगम

प्रयागराज। सावन के पहले सोमवार की शाम जिले की अनोखी परंपराओं में से एक गहरेबाजी अरैल बांध रोड पर शुरू हुई। इसमें शहर के 18 से अधिक गहरेबाज अपने घोड़ों के साथ

पहुंचे। कदमताल के साथ रफ्तार का अनूठा संगम देखने को मिला। गहरेबाज विष्णु महाराज और गोलू महाराज ने बताया कि यह परंपरा कई वर्ष पुरानी है। गहरेबाजी में रोमांच, जोश और जुनून देखने को मिलता है। इसमें शामिल होने वाले घोड़ों को साल भर अच्छी खुराक दी जाती है। इसकी शुरुआत कीडगंज निवासी महावीर महाराज ने की थी। इसके बाद उनके बेटे भैया महाराज ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया। इसमें मुस्लिम गहरेबाज भी शामिल होते हैं। प्रतियोगिता में कीडगंज के विष्णु महाराज, भैया महाराज, मालवीय नगर के गोलू महाराज, अटाला के राजू, मालवीय नगर के मोहित, करेली के बब्ली, अहमद, असरावल कला के सत्तार हुसैन, कीडगंज के बब्बन आदि ने प्रतिभाग किया।

## हवलदार भर्ती में 8071 अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने मल्टी टास्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ व हवलदार (सीबीआईसी व सीबीएन) परीक्षा-2025 की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) का परिणाम जारी किया है। हवलदार पद के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) और शारीरिक मानक परीक्षण (पीएसटी) के लिए 8071 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। एसएससी के मुताबिक, संदिग्ध गतिविधियों के कारण दो अभ्यर्थियों का परिणाम रोका गया है। परीक्षा के बाद की जांच में 727 अभ्यर्थी अनुचित साधनों का प्रयोग करते पाए गए। विभिन्न कारणों से 169 अभ्यर्थियों को क्षेत्रीय कार्यालयों ने अयोग्य घोषित किया है। परीक्षा चार से 20 फरवरी 2026 के बीच विभिन्न केंद्रों पर आयोजित हुई थी। एसएससी के अनुसार, परीक्षा के लिए 36,19,834 आवेदन प्राप्त हुए थे जबकि 8,04,633 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। बताया गया कि पीईटी व पीएसटी में असफल अभ्यर्थियों को हवलदार के अंतिम परिणाम में शामिल नहीं किया जाएगा। हालांकि यदि वे एमटीएस पद के लिए शॉर्टलिस्ट होते हैं तो उनकी उम्मीदवारी मान्य रहेगी। हवलदार पद के लिए पीईटी व पीएसटी का विस्तृत कार्यक्रम जल्द ही एसएससी की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा।

## बीए-एलएलबी में 540 और बीकॉम में 460 अंक पर मिलेगा प्रवेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) से संबद्ध महाविद्यालयों ने स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए बीए-एलएलबी (पांच वर्षीय) और बीकॉम प्रथम वर्ष का पहला कटऑफ जारी कर दिया है। चयनित अभ्यर्थियों के प्रवेश मंगलवार से ऑनलाइन माध्यम से शुरू होंगे। बीए-एलएलबी में अनारक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम 540 अंक, अनुसूचित जाति के लिए 460 अंक और अनुसूचित जनजाति के लिए 370 अंक का कटऑफ निर्धारित किया गया है। बीकॉम प्रथम वर्ष में अनारक्षित वर्ग के लिए 460 अंक व अनुसूचित जाति के लिए 300 अंक तय किए गए हैं। अनुसूचित जनजाति वर्ग के सभी सीयूईटी पंजीकृत अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे। प्रवेश प्रभारी डॉ. मनोज कुमार दुबे ने बताया कि बीवोक (फूड प्रोसेसिंग) पाठ्यक्रम में भी प्रवेश शुरू हो गया है। इसमें 12वीं उत्तीर्ण सभी छात्र-छात्राएं प्रवेश ले सकते हैं। अभ्यर्थियों को महाविद्यालय की वेबसाइट पर आवश्यक दस्तावेजों की स्कैन प्रति अपलोड करनी होगी। प्रवेश के लिए एबीसी आईडी अनिवार्य रहेगी। इविवि ने एकीकृत पांच वर्षीय बीबीए-एमबीए पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए छठा कटऑफ जारी कर दिया है। चयनित अभ्यर्थी सात अगस्त तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे।

# योगी सरकार ने पेश किया 59,019.54 करोड़ का अनुपूरक बजट

**विधानसभा में वित्त मंत्री ने रखा अनुपूरक बजट**
**उद्योग, ग्रामीण विकास, ऊर्जा, स्वास्थ्य और महिला कल्याण को मिला बड़ा प्रोत्साहन**
**राजस्व लेखे का व्यय 17,399.50 करोड़ तथा पूंजी लेखे का व्यय 41,620.04 करोड़**
**अनुपूरक बजट में नई मांगों के लिए 7,854.25 करोड़ की व्यवस्था**
**भारी एवं मध्यम उद्योग विभाग के लिए 22,107.88 करोड़ का प्रावधान**
**प्रदेश का राजकोषीय घाटा पूरी तरह नियंत्रण में-खन्ना**

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए 59,019.54 करोड़ का अनुपूरक बजट सदन में प्रस्तुत किया। अनुपूरक मांगों के अनुरूप प्रस्तावित अनुपूरक बजट प्रस्तुत करते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए अनुपूरक बजट का कुल आकार 59,019.54 करोड़ है। अनुपूरक बजट का आकार इस वर्ष के मूल बजट का 6.47 प्रतिशत है। इसमें राजस्व लेखे का व्यय 17,399.50 करोड़ तथा पूंजी लेखे का व्यय 41,620.04 करोड़ रखा गया है। उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय पर विशेष बल देने का उद्देश्य प्रदेश में सड़क, ऊर्जा, उद्योग, चिकित्सा, ग्रामीण विकास तथा अन्य आधारभूत संरचनाओं का तेजी से विस्तार करना है, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक मजबूती मिले। इस अनुपूरक बजट के माध्यम से योगी सरकार का उद्देश्य प्रदेश में चल रही विकास परियोजनाओं को गति देना, नई जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना तथा आधारभूत संरचना को और अधिक मजबूत बनाना है। अनुपूरक बजट में नई मांगों के लिए 7,854.25 करोड़ की व्यवस्था की गई है। इससे सरकार नई विकास परियोजनाओं के साथ पहले से चल रही योजनाओं को भी और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकेगी।

वित्त मंत्री ने बताया कि अनुपूरक बजट में भारी एवं मध्यम उद्योग विभाग के लिए 22,107.88 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके माध्यम से औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन और प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान की जा सकेगी। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दी है। ग्राम विकास विभाग के लिए 17,942.73 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस राशि का उपयोग ग्रामीण अधोसंरचना, पंचायत विकास, ग्रामीण आजीविका, मूलभूत सुविधाओं तथा गांवों में विकास कार्यों को गति देने में किया जाएगा। प्रदेश में बिजली व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा ऊर्जा अवसंरचना के विस्तार के लिए ऊर्जा विभाग को 7,422.27 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है। सरकार का उद्देश्य प्रदेश में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ–साथ औद्योगिक एवं घरेलू उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना है। अनुपूरक बजट में चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 2,000.25 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस राशि से अस्पतालों की सुविधाओं का विस्तार, चिकित्सा सेवाओं का सुदृढ़ीकरण तथा स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। सरकार ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को और प्रभावी बनाने के लिए समाज कल्याण विभाग को 1,655 करोड़ आवंटित किए हैं। वहीं महिला कल्याण विभाग के लिए 1,094.40 करोड़ की व्यवस्था की गई है, जिससे महिलाओं के सशक्तीकरण, सुरक्षा और कल्याण से जुड़ी योजनाओं को मजबूती मिलेगी। अनुपूरक बजट में लोक निर्माण विभाग के लिए 700.01 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस राशि का उपयोग सड़क निर्माण, पुलों तथा अन्य आधारभूत ढांचागत परियोजनाओं को गति देने में किया जाएगा। वित्त मंत्री ने सदन को भरोसा दिलाया कि प्रदेश की वित्तीय स्थिति पूरी तरह मजबूत है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का राजकोषीय घाटा फिसकल डेफिसिट निर्धारित सीमा के भीतर है, जो सरकार के वित्तीय अनुशासन और बेहतर आर्थिक प्रबंधन का प्रमाण है। सरकार विकास कार्यों को गति देने के साथ–साथ वित्तीय संतुलन बनाए रखने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

## ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचे पर बजट में बड़ा प्रावधान

लखनऊ (संवाददाता)। विधानसभा में आज हंगामे और राजनीतिक बयानबाजी के बीच सदन में पेश किए गए अनुपूरक बजट के आंकड़ों पर नजर डालें तो सरकार ने बुनियादी ढांचे और ग्रामीण विकास को गति देने के लिए बड़ा आवंटन किया है। ग्राम्य विकास विभाग को 8,103.51 लाख राजस्व तथा 14,18,471.95 लाख यानि लगभग 14,184.72 करोड़ का भारी–भरकम पूंजीगत आवंटन प्राप्त हुआ है। बिजली व्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए राजस्व मद में 7,02,227 लाख भारित राशि सहित और पूंजीगत मद में 40,000.00 लाख रूपये आवंटित किए गए हैं। स्थानीय निकायों और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए पंचायती राज विभाग को 15,633 लाख का राजस्व और 13,998 लाख का पूंजीगत बजट प्रदान किया गया है।

## सरकार बतायें, पूर्व में स्वीकृत बजट का कितना उपयोग हुआ–अतुल प्रधान

लखनऊ (संवाददाता)। सपा विधायक अतुल प्रधान ने अनुपूरक बजट पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार पहले यह बताए कि पूर्व में स्वीकृत बजट का कितना उपयोग हुआ। उन्होंने कहा कि केवल नया बजट पेश करने से जनता की समस्याओं का समाधान नहीं होगा और सरकार को अपने पुराने दावों का भी जवाब देना चाहिए।

## अनिल प्रधान तुम तो पैदा भी नहीं हुए थे–महाना

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर विपक्ष के विधायकों ने जमकर हंगामा किया। विधानसभा में लगातार हंगामे और नारेबाजी के बीच विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना विपक्ष को शांत करने की कोशिश करते रहे। उन्होंने कहा कि, आप में से किसी ने चंदा दिया हो तो यहां रसीद लेकर आ जाए। देखें तो सही आपका कौन सा पैसा चोरी हुआ है। रसीद लेकर आ जाओ जितने खड़े हो यहां पर। अनिल प्रधान तुम तो पैदा भी नहीं हुए थे जब मंदिर बना था। सतीश महाना ने अनिल प्रधान पर व्यंग्य किया कि वे तो तब पैदा भी नहीं हुए थे जब अयोध्या में राम मंदिर बना था। अनिल प्रधान चित्रकूट सदर सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। वे संसदीय अनुश्रवण समिति के सदस्य और मंत्री परामर्श–जलशक्ति एवं उद्योग के सदस्य हैं। अनिल प्रधान 33 साल के हैं और उनका जन्म 10 जुलाई, 1993 को हुआ था। यानी वे तब पैदा नहीं हुई थे जब राम मंदिर आंदोलन चला था और बाबरी मस्जिद ढहाई गई थी। अयोध्या में बाबरी मस्जिद 6 दिसंबर 1992 को गिरा दी गई थी।अनिल प्रधान ने झांसी के बुंदेलखंड विश्वविद्यालय से सन 2013 में ग्रेजुएशन किया है। वे 2022 में पहली बार विधायक चुने गए थे। इससे पहले वे वर्ष 2016 में जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीते थे। उनकी ओर से चुनाव आयोग को दिए गए ब्यौरे के मुताबिक उनकी आय का कोई जरिया नहीं है। वे माता–पिता पर आश्रित हैं।

## उपचुनाव नतीजों पर बीजेपी पर बरसे अवधेश बोले–जनता ने नकार दिया, 2027 में होगी विदाई

लखनऊ (संवाददाता)। देश की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनावों के नतीजों के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बिहार की बांकीपुर और मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर भाजपा की हार को लेकर समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला।उन्होंने दावा किया कि इन चुनावी परिणामों ने जनता का संदेश साफ कर दिया है और भाजपा की विदाई की शुरुआत हो चुकी है। अवधेश प्रसाद बोले, भाजपा अपने गढ़ मानी जाने वाली सीटों पर भी हार रही है, जो जनता के बदलते रुख का संकेत है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष के सवालों से बच रही है और महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में जवाब देने से कतरा रही है।सपा सांसद ने कहा कि छात्रों के साथ अन्याय हुआ, प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और कार्रवाई की गई, जबकि महंगाई लगातार बढ़ रही है। उन्होंने पेट्रोल–डीजल, रसोई गैस की कीमतों, किसानों की समस्याओं, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उनका कहना था कि सरकार के पास इन समस्याओं का कोई ठोस समाधान नहीं है।भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के उपचुनाव परिणामों पर आत्ममंथन वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अवधेश प्रसाद ने कहा कि यह केवल हार छिपाने की कोशिश है। अब आत्ममंथन से कुछ नहीं होगा, क्योंकि जनता अपना फैसला सुना चुकी है। अवधेश प्रसाद ने दावा किया कि यह भाजपा की गिरती राजनीतिक पकड़ की शुरुआत है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए गठबंधन की सरकार बनेगी और भाजपा 50 सीटों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी।

**सीएम की तस्वीर दिखाने पर भड़के स्पीकर, बोले**

# सदस्यता रद्द कराने का प्रस्ताव भेज दूंगा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र के दूसरे दिन बुधवार को सदन की कार्यवाही के दौरान

जबरदस्त हंगामा हुआ। एक तरफ जहां सरकार ने सदन में लगभग 59 हजार करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया, वहीं दूसरी तरफ राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे और विपक्षी सदस्यों के विरोध प्रदर्शन के चलते सदन का माहौल पूरी तरह गरमा गया। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को विपक्षी विधायकों के आचरण पर कड़ी नाराजगी जतानी पड़ी और उन्होंने यहां तक चेतावनी दे दी कि यदि दोबारा ऐसा हुआ तो वे संबंधित विधायक की सदस्यता रद्द कराने का प्रस्ताव पारित करवा देंगे। बुधवार को जब सदन में अनुपूरक बजट पर चर्चा शुरू हुई और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सदन को संबोधित करने के लिए खड़े हुए, तो समाजवादी पार्टी के विधायकों ने वेल में आकर जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। विपक्षी सदस्य राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग पर अड़े हुए थे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष के इस रवैये पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि विपक्ष का यह आचरण बेहद शर्मनाक है। अनुपूरक बजट का एजेंडा और समय पहले से तय था, लेकिन विरोधी दलों के सदस्यों ने जनता से जुड़े इस महत्वपूर्ण वित्तीय विषय पर कोई रुचि नहीं दिखाई और सिर्फ सदन की कार्यवाही को बाधित करने का काम किया।हंगामे के दौरान उस वक्त स्थिति और अधिक नाटकीय हो गई जब चर्चा के बीच सपा के विधायक सचिन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जुड़ी कथित तस्वीर या पोस्टर पर कुछ लिखकर सदन में लहराना शुरू कर दिया। इस हरकत को देखकर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना आग बबूला हो गए।अध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए तुरंत उस विधायक को सदन से बाहर करने का सख्त आदेश दिया और पूरे सत्र के लिए निलंबित करने की घोषणा की। सतीश महाना ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा, "यदि इस तरह की अनुशासनहीनता दोबारा की गई, तो मैं एथिक्स कमेटी को इसकी शिकायत भेजकर विशेषाधिकार प्रस्ताव के तहत आपकी सदस्यता रद्द करने की अनुशंसा कर दूंगा। अध्यक्ष की इस दोटूक चेतावनी और लगातार जारी हंगामे के बीच आखिरकार सदन की कार्यवाही को बुधवार के लिए स्थगित कर दिया गया और अब सदन गुरुवार सुबह 11 बजे फिर से बैठेगा।

**सपा सदस्यों का चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष धरना,प्रदर्शन,जमकर की नारेबाजी**

# यह चंदा चोर, चढ़ावा चोर और बजट चोर सरकार है–शिवपाल

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने यूपी विधानमंडल के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया और राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, प्रश्नपत्र लीक तथा अन्य मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव बोले, हमारी पार्टी का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा और भाजपा को हटायेंगे। उन्होंने कहा कि ये सरकार मूल बजट खर्चा नहीं कर पाई और अनुपूरक बजट ले आई है। सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार अपनी विफलता छिपाने के लिए विधानसभा में अनुपूरक बजट लाई है, जबकि वह मूल बजट का 30 प्रतिशत हिस्सा भी अब तक खर्च नहीं कर सकी है। उन्होंने आरोप लगाया, यह चंदा चोर, चढ़ावा चोर और बजट चोर सरकार है।यह सरकार

अपनी नाकामी छिपाने के लिए बजट लाती है और पूरे बजट की चोरी कराती है। उन्होंने कहा कि जिस दल के शासन में भगवान राम के मंदिर के चढ़ावे को लेकर सवाल उठ रहे हों, उससे लोगों को कोई उम्मीद नहीं रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया, राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले में मुख्य आरोपियों के खिलाफ सरकार कार्रवाई नहीं कर रही और उन्हें बचा रही है। ऐसे में सरकार खुद भी चंदा चोर और चढ़ावा चोर है। श्री यादव ने दावा किया कि बिहार की बांकीपुर और मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा की हार 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उसकी पराजय का संकेत है। उन्होंने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में सपा भाजपा का सफाया कर देगी। इससे पहले यादव ने श्एक्सश पर पोस्ट कर कहा, जिस सरकार से अपना मूल बजट ही 30 से 50 प्रतिशत तक खर्च नहीं हो पाया, वह अब अनुपूरक बजट के नाम पर अपनी नाकामी छिपाने निकली है। उन्होंने कहा, प्रभु राम के नाम पर राजनीति की सबसे ऊंची चोटी बनाने वाली भाजपा बताए कि जब रामलला के दरबार में चढ़ावे को लेकर उठे सवालों और कथित गड़बड़ियों पर भी जवाबदेही तय नहीं हो पाई, तब प्रदेश के खजाने की जवाबदेही पर जनता कैसे भरोसा करे?

# अखण्ड आर्यावर्त महासभा का पुलिस कमिश्नरेट मुख्यालय पर प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को नजरबंद किये जाने के बावजूद प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ला और कार्यकारी अध्यक्ष गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शहर के दिवंगत प्रतिष्ठित कारोबारी चन्द्रभूषण त्रिपाठी परिवार की दो विधवा बहुओं प्रीति और निहारिका त्रिपाठी को न्याय दिलाने और आरोपी मोनिश हसन के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग को लेकर पुलिस कमिश्नरेट (सीपी) मुख्यालय प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने प्रदर्शन में शामिल पीड़ित महिलाओं की पीड़ा को सुनकर अगले तीन दिनों में कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। तय कार्यक्रम के अनुसार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में होने वाले इस प्रदर्शन को रोकने के लिये पुलिस प्रशासन पूरी तरह ऐड़ी चोटी जोर लगाये हुये थी और इसके लिये ऋषि त्रिवेदी को कल रात से ही उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया, ताकि होने वाला विरोध प्रदर्शन रोका जा सके, लेकिन इसके बावजूद प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ला और कार्यकारी अध्यक्ष गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करने में सफल रहे। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ल और कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोस्वामी ने साफ कहा कि हिन्दू परिवार को बरबादी के कगार पर पहुंचाने वाले मोनिश हसन ने पूरी तरह से लव एण्ड लैण्ड जिहाद का कुचक्र रच कर पहले त्रिपाठी परिवार की बेटी शिल्पी त्रिपाठी को प्रेमजाल में फंसाकर निकाह किया फिर उसके बाद परिवार के सभी पुरूषों की मौत होने के बाद एकाएक चन्द्रभूषण त्रिपाठी की सम्पत्तियों और कारोबार को हड़पने का कार्य पर्दे के पीछे रहकर किया। यही नहीं बल्कि बीते 22 जून को बड़े हादसे की नीयत से घर में घुसने का प्रयास किया जिसकी रिपोर्ट होने के बाद भी गोमतीनगर थाने की पुलिस ने कोई कार्यवाही न कर आरोपी मोनिश को बचाने का पूरा प्रयास आज तक करती आ रही है।

## झूला भरे उड़ान

(कुण्डलिया)

माटी की सोंधी महक, झूले भरें उड़ान।
अद्भुत सावन दृश्य से, हर्षित हैं उद्यान।
हर्षित हैं उद्यान, घटा नभ में है छायी।
रिमझिम मधुर फुहार, साथ में है वह लायी।
सुन लो कहें प्रदीप, रचो ऐसी परिपाटी।
जिसका हर त्योहार, लगे बस अपनी माटी।।

कीचड़–लथपथ पाँव ने, कही अनोखी बात।
माटी से ही है मिला,जीने का सौगात।
जीने का सौगात, बताती है हरियाली।
बंजर पड़ी जमीन, न दिखती है अब खाली।
सावन कहे प्रदीप,सुनो!हो यदि मधुर पकड़।
रिश्ते होंगे मधुर, न उछलेंगे कीचड़।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## सावन के प्रथम परम्परागत मंगलवार मेला में रिमझिम फुहारों ने भक्तों की ली सुबह परीक्षा

### दोपहर बाद ध्वज पताका चढ़ाने वालों का तांता

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में सावन मेला 2026 के प्रथम मंगल वार को परम्परा गत मेला इंद्र देवता की कृपा से रिमझिम फुहारों के बीच गुलजार रहा। सुबह से ही हो रही वर्षा ने शिव भक्तों की परीक्षा अवश्य ली फिर भी नियमित साधक धाम तक सुबह से शाम तक आते रहे और जलाभिषेक

किया। धूप निकलने पर दोपहर 2 बजे के बाद ध्वज पताका चढ़ाने वालों का तांता लगा रहा।

यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया कि मेला कंट्रोल रूम व अस्थाई पुलिस चौकी और कार्यकर्ता सुबह 5 बजे से अपनी तैयारी पूरी कर सभी पॉइंट पर मुस्तैद रहे। वहीं मुख्य मंदिर सहित सभी मंदिरों में पुजारी व सेवक गण जलाभिषेक व दर्शन पूजन में निरंतर सभी का सहयोग करते रहे। कुछ लोग समूह बनाकर भक्तों को शरबत, रोट प्रसाद व कढी चावल आदि वितरित करते रहे। मेला मजिस्ट्रेट रामानुज पांडेय के निर्देशन में नायब तहसील के संयोजन में राजस्व टीम व स्थाई चौकी के प्रभारी सुशील कटियार के संयोजन में पुलिस सभी स्थलों पर अपनी सतर्क जिम्मेदारी निभाई। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता सहायक राज कुमार गौतम ने सभी कार्यो में मेला व मंदिर उप समिति के साथ मिलकर सहयोग किया।

## कोर्ट से बरी होने के बाद वृंदावन पहुंचे पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह

वृंदावन। कोर्ट से बरी होने के बाद गोंडा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह मंगलवार को वृंदावन पहुंचे। उन्होंने आनंदम धाम में सद्गुरु रितेश्वर महाराज से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। आनंदम धाम में आश्रम के संतों, पदाधिकारियों और समर्थकों ने उनका स्वागत कर माला व पटुका पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और

समर्थक मौजूद रहे। सद्गुरु रितेश्वर महाराज से मुलाकात के दौरान आध्यात्मिक विषयों के साथ देश, समाज और सनातन संस्कृति पर चर्चा हुई। बृजभूषण शरण सिंह ने अपने आगामी सामाजिक कार्यों के लिए आशीर्वाद भी प्राप्त किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने अदालत से बरी होने के बाद न्यायपालिका के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरा विश्वास था। साथ ही उन्होंने अपने समर्थकों का आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के विशेष इंतजाम रहे और इसके बाद वह अपने अगले निर्धारित कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए।


**उत्तर मध्य रेलवे**
"सार्वजनिक अधिसूचना"

उत्तर मध्य रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन पर बनी रेलवे लाइन और परिसर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि नए बने स्विचिंग स्टेशन की 25000-वोल्ट 50Hz AC ओवरहेड ट्रैक्शन वायर को 10.08.2026 को या उसके बाद चालू (energize) किया जाएगा। उसी तारीख से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।

ऊर्जाकरण की तिथि : 10.08.2026

| खंड | कि. मी./लोकेशन/पैनेल | |
|---|---|---|
| | से | तक |
| उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में मौजूदा नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर स्पीड को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के सिलसिले में किमी 851/06 (CH:851/177)-851/10 (CH:851/262) पर नए 2x25 केवी सैयद सरावां/एसपी को चालू करना। | सैयद सरावां/एसपी 851/06 (CH:851/177) | सैयद सरावां/एसपी 851/10 (CH:851/262) |

1778/26 (MG) उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना, उ.म.रे. प्रयागराज

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

**उत्तर मध्य रेलवे**
सार्वजनिक सूचना

उत्तर मध्य रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन पर बनी रेलवे लाइन और परिसर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि नए बने स्विचिंग स्टेशन की 25000-वोल्ट 50Hz AC ओवरहेड ट्रैक्शन वायर को 10.08.2026 को या उसके बाद चालू (energize) किया जाएगा। उसी तारीख से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।

ऊर्जाकरण की तिथि : 10.08.2026

| खंड | कि.मी./लोकेशन/पैनेल | |
|---|---|---|
| | से | तक |
| उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में मौजूदा नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर स्पीड को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के सिलसिले में किमी 787/30 (CH:787/636.90) - 787/34 (CH:787/586.90) पर नए 2x25 केवी मेजा रोड/ एसपी को चालू करना। | मेजा रोड/ एसपी 787/30 (CH:787/ 636.90) | मेजा रोड/ एसपी 787/34 (CH:787/ 586.90) |

1781/26 (C) उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

# सम्पादकीय.....

## आंदोलन के नाम पर हद की बेशर्मी!

नीट पेपर लीक पर 'जेन–की' का जंतर–मंतर पर हुआ धरना पिछले हफ्तों में पूरी दुनिया के मीडिया में चर्चा में रहा। धरने का उद्देश्य गलत नहीं था। आंदोलनकारी छात्रों पर पुलिस की जो दमनकारी लाठियां चलीं उसकी कतई जरूरत नहीं थी। बावजूद इसके इस आंदोलन को जो कुछ सफलता मिली, उसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता। पर इस आंदोलन की जिस बात ने मुझे बहुत विचलित किया, वह है भाषा की अभद्रता। जिसने शालीनता की सारी हदें पार कर दीं। अगर मुझ पर ड्क्षलगभेद का आरोप न लगे तो मैं यह खुल कर कहना चाहूंगा कि जिस तरह की गंदी गालियां, अश्लील भंगिमाएं और नारेबाजी आंदोलन में शामिल कुछ लड़कियों ने कीं, वे एक सभ्य समाज में कतई स्वीकार नहीं की जा सकतीं। लड़कियों का मैं खासतौर पर इसलिए उल्लेख कर रहा हूं क्योंकि अब तक भारतीय समाज में लड़कियों को कभी ऐसी अश्लील भाषा का इस्तेमाल करते नहीं देखा गया था। लड़के तो प्रायरू गाली–गलौज की भाषा में बात करते ही हैं, पर सब लड़के ऐसे नहीं होते। ज्यादातर मर्यादित भाषा का ही इस्तेमाल करते हैं। चूंकि मैं पिछले 50 वर्षों से ड्क्षहदी पत्रकारिता से जुड़ा रहा हूं, इसलिए अक्सर मेरे मुंह से 'साला' गाली निकल जाती है। मेरे बेटे जो अब 40 वर्ष के आस–पास हैं, बचपन से ही मुझे इस पर टोकते आए हैं, ''आप कैसी भाषा बोलते हैं?'' इसलिए मैं यह सावधानी बरतता हूं कि अपने परिवार के सामने 'साला' जैसी गाली का भी इस्तेमाल न करूं। जंतर–मंतर के प्रदर्शन में कुछ छात्रों ने जिस अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, वह सोशल मीडिया के माध्यम से घर–घर और गांव–गांव तक पहुंची। जरा सोचिए कि शालीनता के दायरे में रहने वाले करोड़ों युवक–युवतियों पर इसका क्या असर पड़ा होगा? अभिजात्य वर्ग के या पढ़े–लिखे समाज के युवाओं के इस निकृष्ट व्यवहार को देख कर हो सकता है कि गांवों में रहने वाले लड़के–लड़कियां भी आधुनिक दिखने की ललक में इस तरह की अशिष्ट भाषा का इस्तेमाल करने लगें। दूसरी तरफ दिल्ली की झुग्गियों में पला–बढ़ा एक निर्धन नौजवान मोहम्मद इरफान इसी आंदोलन में रातों–रात पूरे देश के युवाओं के लिए एक मिसाल बन कर सामने आया। गरीब परिवार में पैदा हुए इरफान के पास औपचारिक शिक्षा की डिग्रियां नहीं हैं, पर जिस संयत भाषा में उसने इस आंदोलन के मुद्दों को मीडिया के सामने पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किया, वह काबिले तारीफ है। संविधान से लेकर, देश के राजनीतिक इतिहास, सामाजिक आर्थिक बदहाली और सनातन धर्म की गहराइयों तक जिस ज्ञान का प्रदर्शन उसने किया, वह आश्चर्यचकित करने वाला है। इरफान का व्यक्तित्व इस आंदोलन के उन उद्दंड और संस्कारहीन युवाओं के गाल पर सीधा तमाचा है। इसी क्रम में यहां मैं एक और चिंतनीय प्रवृत्ति की ओर इशारा करना चाहूंगा। पिछले कुछ वर्षों से महानगरों में 'स्टैंड–अप कॉमेडी' का एक नया चलन शुरू हुआ है। लोकतंत्र में समाज और सरकार पर कटाक्ष करने के अनेक माध्यम होते हैं। प्राचीन काल से यह कार्य विदूषक करते आए हैं। तनाव भरे जीवन में हंसना–हंसाना सबको राहत देता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो कॉर्पोरेट जगत में कम उम्र में ही बुलंदियों को छूने वाले युवा, आज सबसे ज्यादा तनाव ग्रस्त हैं। इसलिए बेंगलुरु, मुंबई, गुरुग्राम जैसे शहरों में अचानक 'स्टैंड–अप' कॉमेडियनों की बाढ़ आ गई है। इनमें अधिकतर कॉमेडियन ऐसे हैं जो अपनी तीक्ष्ण बुद्धि, सामाजिक–राजनीतिक समझ और अपने इर्द–गिर्द की दुनिया पर पैनी नजर रख कर जो कुछ प्रस्तुत करते हैं, वह न सिर्फ श्रोताओं को हंसी से लोटपोट कर देता है, बल्कि सरकार और समाज की कमजोरियों को सहज ही उजागर कर देता है। इन्हीं 'स्टैंड–अप' कॉमेडियनों में कुछ पुरुष और महिलाएं ऐसे भी हैं, जो अत्यंत निम्न कोटि की भाषा का इस्तेमाल करके कामुकता और अश्लीलता का 'फूहड़ मनोरंजन' प्रस्तुत करते हैं। जिस श्रोता समूह के सामने ये लोग इस तरह की प्रस्तुतियां करते हैं, वह पढ़ा–लिखा, संपन्न और करियर में सफल व्यक्ति होता है। इसलिए उसमें इतना विवेक होता है कि वह 'स्टैंड–अप' कॉमेडी हॉल के बाहर निकल कर उस माहौल को भूल जाता है ।

# मोदी का पलायन और राहुल का आगमन, बदलते कल की तस्वीर

शकील अख्तर

ऐसे साहस का व्यक्ति और कोई याद नहीं आता। डा. मनमोहन सिंह ने कहा था– इतिहास मेरे साथ इस मीडिया के मुकाबले बेहतर न्याय करेगा।

और इतिहास ने अभी बता दिया जब सुप्रीम कोर्ट ने उन पर लगाए गए सारे आरोप खत्म कर दिए। लेकिन यहां बात मनमोहन सिंह की नहीं उस शख्स की हो रही है जिसके साथ मीडिया ने मनमोहन सिंह से भी ज्यादा दुश्मनी भरा व्यवहार किया। और केवल मीडिया नहीं था। पूरी सरकार थी उसके पीछे और अंधभक्तों की एक बड़ी भीड़। मगर वह शख्स न डिगा, न डरा न रुका। और अब जब उसने अपनी मेहनत और हिम्मत से परिस्थितियां बदल दी हैं तो कहा जा सकता है कि इतिहास से पहले समय को राहुल के साथ न्याय करना होगा। वह वक्त आ गया है। प्रधानमंत्री मोदी जिनके बारे में मीडिया, उनकी पार्टी के लोग और भक्तयह कहते थे कि वे नहीं तो और कौन? उनका ग्राफ गिरना शुरू हो गया है। मोदी एक घटना दुर्घटना के बने नेता हैं। खुद उनकी पार्टी के अटल अडवानी और दूसरे नेताओं की तरह लगातार सार्वजनिक रूप से काम करके उभरे नेता नहीं। गोधरा ट्रेन अग्निकांड के बाद हुए गुजरात दंगों से पहले उनकी गिनती भाजपा में भी बहुत पिछली पंक्ति के नेताओं में होती थी। केन्द्र में बीजेपी की सरकार थी। अटल, आडवानी, मुरली मनोहर जोशी और इसके बाद की सेंकड केटेगरी के नेताओं की भी लंबी लिस्ट थी। बहुत नाम हैं। जसवंत सिंह, यशवंत सिन्हा, प्रमोद महाजन इन्हें आप टाप सेंकड में डाल सकते हैं। इसके बाद नेतृत्व की सेंकड लाइन में अरुण जेटली, सुषमा स्वराज, वैंकय्या नायडू जैसे बहुत नाम हैं। मोदी उस समय गिनती में ही नहीं आते थे। मगर गोधरा और उसके बाद गुजरात दंगों का ऐसा उपयोग किया गया कि मोदी सीधे उस समय के प्रधानमंत्री वाजपेयी से कैमरे के सामने बहस करने लगे कि कर तो रहे हैं। जब वाजपेयी ने राजधर्म पालन करने की बात कही तो उस समय मुख्यमंत्री मोदी ने यही जवाब दिया था कि– कर तो रहे हैं। प्रधानमंत्री वाजपेयी नहीं कह पाए कि नहीं कर रहे हैं। इसीलिए हमने शुरू में लिखा कि एक घटना दुर्घटना से बने उभरे नेता मोदी। और अब एक और घटना आंदोलन से गिरते मोदी। छात्रों के आंदोलन ने मोदी का सारा रौब, रुतबा खत्म कर दिया। वे छात्रों को बुलाकर उनसे बात नहीं कर पा रहे। रील जो गंभीर जिम्मेदार मैसेज का जरिया नहीं मानी जाती उसके द्वारा युवतम पीढ़ी से कनेक्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। हाय फ्रेन्ड्स बोलने या जेन जी की दूसरी शब्दावली, स्टाइल उपयोग करने से यह पीढ़ी कनेक्ट नहीं होती है। यह होती है प्यार विश्वास और भय रहित माहौल से। मोदी ऊंचे सिंहासन पर बैठकर क्षमादान देने की बात करते हैं। इतिहास में वह घटना किस तरह घटी थी वह अलग बात है। मगर 65 साल से पहले बनी फिल्म मुगले आजम में जैसे शहंशाह अकबर के सामने उस समय की नई पीढ़ी का प्रतिनिधि सलीम कहते हैं कि मेरे उसूल आपकी माफी के मोहताज नहीं हैं जिल्ले इलाही! वह जिल्ले इलाही की परंपरा आज भी चली आ रही है। शहंशाह अकबर को तो दूसरे कहते थे। मगर यहां तो मोदी खुद ही कहने लगे कि वे नान बायलोजिकल हैं। अवतार पुरुष। जिल्ले इलाही का मतलब भी कुछ इसी दिशा में होता है। ईश्वर का प्रतिनिधि। तो आज के बच्चे उनकी माफी के मोहताज नहीं हैं। उनकी तो मांग है कि प्रधानमंत्री मोदी माफी मांगें। लाठी, आंसू गैस, करंट मारने वाली लोहे की राड तो सब चलाए ही मगर लड़कियों के साथ जिस तरह शर्मनाक व्यवहार किया गया और पेलेट गन चलाई गई खासतौर से उसके लिए मोदी माफी मांगें। मगर वे उल्टा कह रहे हैं कि मैंने माफ किया। यह वही सर्वशक्तिमान होने के गुमान है जिसमें अकबर माफ करने की बात करता है और सलीम कहते हैं कि न मैं झुकूंगा और आप ज्यादा से ज्यादा क्या कर सकते हैं लाश में तबदील तो वह लाश भी झुकेगी नहीं। 22 से ज्यादा बच्चे मरे ही हैं। जान दे दी उन्होंने। उस पर मोदी ने क्या कहा। उन्हें भी माफ करने की बात कहकर उन बच्चों के मां–बाप के जख्मों को और गहरा कर सकते हैं। बच्चों का कसूर क्या था? क्यों करनी पड़ी उन्हें खुदकशी? जिस कारण कि पेपर लीक होना उस पर तो प्रधानमंत्री ने एक शब्द नहीं कहा। अब पेपर लीक होगा तो और कड़ी सजा होगी का विधेयक संसद में पहुंचा दिया। खुद नहीं आए उस पर बोलने। लेकिन जैसा हमने आज की बात शुरू की है कि उसने अपनी हिम्मत, मेहनत और छात्रों के प्रति अपनी संवेदना, जुड़ाव से बाजी पलट दी राहुल का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा में मेरे सामने नहीं आ सकते। संसद के बजट सत्र के बाद इस चल रहे मानसून सत्र में भी यह बात साबित हो गई। पेपर लीक विधेयक पर नहीं आए और उस वंदे मातरम बिल पर भी नहीं जो उनकी फेवरेट पिच रही है। अभी छह महीने पहले वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस पर इस तरह बरसे थे जैसे उनके संगठन का गीत रहा हो। उससे तो कांग्रेस के हर अधिवेशन शुरू होता है। लेकिन अब वंदे मातरम या कोई भी ऐसा इशु जिससे उन्हें लगता है कि भावनाएं भड़काई जा सकती हैं सब लाइम लाइट में लाने की कोशिश करते हैं। मगर इस बार वंदे मातरम जिसको कानून बना रहे हैं पर बोलने भी लोकसभा राज्यसभा किसी भी सदन में नहीं आए। तो यह मोदीजी के पलायन के साथ राहुल का आगमन का नया परिदृश्य बनता दिख रहा है। अब सवाल बदल गया है भाजपा में राहुल के सामने कौन? नीट पेपर लीक के बाद से साफ दिख रहा है कि मोदीजी परिस्थितियों पर नियंत्रण खोते जा रहे हैं। उनकी कोशिश सफल नहीं हो रही है। छात्रों को माफ करने की बात उलटी पड़ रही है। इसी तरह पेपर लीक का विधेयक जो एक संशोधन विधेयक ही है लीक रोकने की बात नहीं करता है। लीक हो जाने पर पहले के मुकाबले ज्यादा सजा और जुर्माने का बात करता है। जुर्माना करोड़ों में। एक बात तो यह कि सरकार मानती है कि पेपर लीक करवाने वाला बड़ा मफिया है और करोड़ों रुपया देने की उसकी हैसियत है। दूसरी सबसे मुख्य बात कि जोर इस पर होना चाहिए कि अब पेपर लीक नहीं होगा। सरकार बात बदल रही है कि अगर होगा तो फिर यह यह करेंगे। बाद में आप कुछ भी करते रहो उससे क्या? 22 स्टूडेंट जिन्होंने जान दी इसके लिए नहीं रुक पाए न कि लीक करने वालों की सजा कड़ी की जाएगी। उनकी जान तो इसलिए गई कि पेपर लीक होने से उन्हें अपने मां–बाप के किए खर्चे

# नंदन नीलेकणी से 'लीक-प्रूफ' परीक्षा सुधार की उम्मीद!

डा. वरिंदर भाटिया

प्रधानमंत्री मोदी की इस बात के लिए तारीफ की जा सकती है कि जब भी देश हित को

लेकर किसी समस्या को हल करना होता है, तो पार्टी पॉलिटिक्स से ऊपर उठकर उनके द्वारा काबिल और विद्वान लोगों को जिम्मेदारी दी जाती है। उदाहरण के लिए, पाक के साथ युद्ध के बीच देश का पक्ष विदेशों मे रखने के लिए भेजे गए शशि थरूर, मनीष तिवारी, असदुद्दीन ओवैसी इत्यादि कई नाम लिए जा सकते हैं। यह ठीक उसी तरह है, जैसे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने अमृतसर से कई बार सांसद पूर्व विदेश राज्य मंत्री, बिहार और केरल के पूर्व राज्यपाल दिवंगत रघुनंदन लाल भाटिया को चीन से जुड़े मामलों को लेकर जिम्मेदारी दी थी। और अब प्रधानमंत्री मोदी ने देश में परीक्षा सुधारों को लेकर 'आधार' के जनक नंदन नीलेकणी को परीक्षा सुधार दल समिति का जिम्मा सौंपा है। एक बात तो विश्वसनीय लगती है कि नैशनल टैस्टिंग एजैंसी (एन.टी.ए.) के तहत होने वाले बड़े–बड़े एग्जाम्स जैसे नीट और सी.यू.ई.टी. के तगड़े कलह–क्लेश के बाद उच्चस्तरीय पैनलध्समिति में नीलेकणी जैसे धुरंधरों को जोडने से लीक–प्रूफ टैक–सिस्टम की उम्मीद की जा सकती है। नंदन नीलेकणी वही विद्वान हैं, जिन्होंने 'आधार' का पूरा ढांचा बनाकर 1.4 अरब से अधिक लोगों का बायोमैट्रिक डाटा एक जगह सैट कर दिया और यू.पी.आई. की नींव रखकर गली–नुक्कड़ पर चाय बेचने वाले से लेकर बड़े शोरूम तक का कैशलैस सीन ऑन कर दिया। अब जब यह विद्वान एग्जाम रिफॉर्म्स के मैदान में उतारा गया है, तो पहला बड़ा बदलाव हो सकता है 'एंड–टू–एंड एनक्रिप्शन' और 'ऑटोमेटेड क्वेश्चन पेपर जनरेशन' का। मतलब, अब वे दिन गए जब पर्चा छपने प्रैस में जाता था और रास्ते में ही कोई शातिर एजैंट लीक करवा कर छा जाता था। अब पेपर सीधे आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस और क्रिप्टोग्राफी से एग्जाम टाइम से कुछ मिनट पहले ही सैंटर पर डिजिटल अनलॉक होगा, जिससे किसी के भी पर्चा चुराने के सारे प्लान धरे के धरे रह जाएंगे। दूसरा बड़ा रिफॉर्म है 'बायोमैट्रिक ऑथैंटिकेशन' और 'सैंट्रलाइज्ड सर्वर सिक्योरिटी'। नीलेकणी का ट्रैक रिकॉर्ड गवाही देता है कि वह डुप्लीकेसी और 'मुन्नाभाई' टाइप के फर्जीवाड़े का खेल एक झटके में खत्म कर देते हैं। पहले क्या होता था कि सोना की जगह मोना जाकर पेपर में बैठ जाती थी, फोटो मैच नहीं होती थी और सैटिंग से बायोमैट्रिक बाइपास हो जाता था। लेकिन नीलेकणी स्टाइल में अब आधार आधारित 2–फैक्टर बायोमैट्रिक (आइरिस और फिंगरप्रिंट) और ए.आई.–संचालित फेस–रिकग्निशन तकनीक सीधे एग्जाम हॉल के गेट पर लग सकती है। जैसे ही कोई फर्जी बंदा हॉल में घुसेगा, सिस्टम तुरंत लाल बत्ती जला देगा और पुलिस की गाड़ी बाहर ही खड़ी मिलेगी। एग्जाम सैंटरों में जो सी.सी.टी.वी. फुटेज और ओ.एम.आर. सीट की चौकिंग का ढीला–ढाला काम महीनों तक लटकता था, उसे नीलेकणी का 'ओपन डाटा डिजिटल आध्कटैक्चर' (जैसे यू.पी.आई. और एकाऊंट एग्रीगेटर सिस्टम) कुछ ही दिनों में पूरा कर देगा। यानी सारा काम 100 प्रतिशत ट्रांसपेरैंट होगा, जिसमें किसी दलाल या बाबू को हाथ मारने की रत्ती भर भी जगह नहीं मिलेगी।

'एडैप्टिव टैसि्टंग' और 'लो–बैंडविड्थ क्लाऊड इंफ्रास्ट्रक्चर' दूर–दराज के गांवों और छोटे शहरों के छात्रों की मुश्किलों को आसान कर देगा। अक्सर क्या होता है कि कम्प्यूटर बेस्ड टैस्ट (सी.बी.टी.) में गांव–देहात के सैंटरों पर सर्वर डाऊन हो जाता है या स्क्रीन हैंग हो जाती है और गरीब बच्चे का पूरा साल बर्बाद हो जाता है। नीलेकणी की पूर्व कार्य शैली को देखें तो उनका पूरा फोकस हमेशा 'स्केलेबिलिटी' पर रहता है, यानी ऐसा सिस्टम बनाओ, जो करोड़ों यूजर्स का लोड एक साथ बिना क्रैश हुए झेल सके। यह बिल्कुल डिजिटल इंडिया और यू.पी.आई. की तरह है, जो हर सैकेंड लाखों ट्रांजैक्शन बिना अटके निपटाता है। तो उम्मीद यह है कि वह एक ऐसा 'डिस्ट्रिब्यूटेड टैसि्टंग नैटवर्क' खड़ा करेंगे, जहां इंटरनैट चले न चले, लोकल सर्वर पर छात्र बिना किसी रुकावट के टैस्ट दे सकेगा और और डाटा अपने आप सिंक हो जाएगा। साथ ही, बार–बार पेपर लीक की वजह से लाखों छात्रों का जो भरोसा हिला है, उसे वापस लाने के लिए वह एक 'डिजिटल ट्रिगर एंड ऑडिट ट्रेल' लागू करेंगे, जिससे पेपर का एक–एक क्लिक और एक्सैस लॉग ट्रैक होगा, कि किस टाइम पर किस बंदे ने डाटा को छुआ। कुल मिलाकर नीलेकणी के आने से एग्जाम सिस्टम का काफी 'कचरा' साफ होने की उम्मीदें हैं ताकि हमारे छात्रों को उनका हक मिलता रहे।–

# ट्रम्प की कूटनीति में फंसा सऊदी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष एक बार फिर नए और अधिक जटिल चरण में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है। एक ओर अमेरिका शांति समझौते की संभावना बनाए रखने की बात कर रहा है, वहीं दूसरी ओर उसने सऊदी अरब के साथ मिलकर इराक में ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों के ठिकानों पर संयुक्त हवाई हमले किए हैं। इन हमलों के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है तथा यह आशंका भी गहरा गई है कि यदि कूटनीतिक प्रयास सफल नहीं हुए तो संघर्ष और व्यापक रूप ले सकता है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, 28 जुलाई को अमेरिकी और सऊदी वायुसेना ने इराक के पूर्वी हिस्से में उन ठिकानों को निशाना बनाया, जिनका उपयोग ईरान समर्थित समूह कथित रूप से अमेरिकी सैनिकों और सऊदी अरब के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले करने के लिए कर रहे थे। अमेरिका का दावा है कि पिछले 72 घंटों के भीतर इन समूहों ने 30 से अधिक ड्रोन हमलों का प्रयास किया था। हालांकि अमेरिकी सेना ने कहा कि उसके ठिकानों पर किए गए सभी हमले विफल रहे और किसी प्रकार का बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

सेंटकॉम ने यह भी आरोप लगाया कि फरवरी से अप्रैल 2026 के बीच इराक में ईरान समर्थित समूहों द्वारा अमेरिकी नागरिकों, सैन्य ठिकानों और अन्य प्रतिष्ठानों पर 600 से अधिक हमलों या हमलों के प्रयास किए गए। अमेरिका ने ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और उससे जुड़े संगठनों को चेतावनी दी कि यदि ऐसे हमले जारी रहे तो आगे भी सैन्य कार्रवाई की जाएगी।

दूसरी ओर, सऊदी अरब ने भी इन हमलों को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया। सऊदी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, हाल के दिनों में उसके पूर्वी प्रांत और रियाद क्षेत्र में स्थित तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए ड्रोन इराक की सीमा से भेजे गए थे। मंत्रालय का कहना है कि इन ड्रोन हमलों के पीछे ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों का हाथ था। सऊदी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल–मालिकी ने कहा कि किसी भी देश को अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा करने का वैध अधिकार है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 का हवाला देते हुए कहा कि आत्मरक्षा प्रत्येक राष्ट्र का अधिकार है और इसी आधार पर अमेरिका के साथ समन्वय स्थापित कर सीमित एवं सटीक सैन्य कार्रवाई की गई।

सऊदी अरब ने यह भी स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य युद्ध को और अधिक बढ़ाना नहीं है। हालांकि यदि उसके नागरिकों, ऊर्जा ढांचे या राष्ट्रीय हितों पर हमला किया जाता है तो वह उचित समय और उचित स्थान पर जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

इन संयुक्त हमलों के बाद इराक के लोकप्रिय अर्धसैनिक संगठन 'पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज' (पीएमएफ) ने दावा किया कि उसके कई ठिकानों पर बमबारी की गई, जिसमें कम से कम दस लड़ाकों की मृत्यु हुई और कई अन्य घायल हो गए। संगठन ने यह भी कहा कि हमलों में कई इमारतों और अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इस पूरे घटनाक्रम ने इराक को एक बार फिर क्षेत्रीय शक्ति संघर्ष का केंद्र बना दिया है। पिछले कई वर्षों से इराक में अमेरिका समर्थित सैन्य उपस्थिति और ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों के बीच तनाव बना हुआ है। ऐसे में अमेरिका और सऊदी अरब की संयुक्त कार्रवाई से स्थिति और अधिक संवेदनशील हो गई है।

इसी बीच अमेरिका ने यह भी दावा किया कि ईरान ने उसके मध्य–पूर्व स्थित सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला करने की कोशिश की, लेकिन सभी मिसाइलों को सफलतापूर्वक हवा में ही रोक लिया गया। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसके सभी सैनिक सुरक्षित हैं और पूरे क्षेत्र में उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखी गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता को लेकर लगातार चर्चाएं चल रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच गंभीर स्तर की बातचीत जारी है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि वार्ता शीघ्र सफल नहीं होती तो अमेरिका फिर से कठोर सैन्य कार्रवाई करने के लिए तैयार रहेगा।

ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि यदि कोई समझौता नहीं हुआ तो ईरान के महत्वपूर्ण रणनीतिक ढांचे, विशेषकर बड़े पुलों और अन्य बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया जा सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि सैन्य कार्रवाई से बचा जा सके तो वही बेहतर होगा। उनके अनुसार, वार्ता या तो बहुत जल्दी परिणाम देगी या फिर उसका कोई अर्थ नहीं रहेगा।

## रोला छंद - पावस ऋतु

शीतल मंद समीर, लिए वर्षा ऋतु आई।
बदल गया परिवेश, ग्रीष्म की हुई विदाई।।

पाकर पावस–नीर, धरा ने प्यास बुझाई।
देख मनोहर दृश्य, हृदय लेता अँगड़ाई।।

सावन की बौछार, मधुर संगीत सुनाती।
आशा का संचार, लिए पावस ऋतु आती।।

घिरते काले मेघ, बरसता रिमझिम पानी।
हरियाली चहुँओर, धरा की चूनर धानी।।

इंद्रधनुष के रंग, हृदय में कौतुक भरते।
बरस–बरसकर मेघ, मगन मन सबका करते।।

कल–कल बहती धार, नदी की बढ़ी रवानी।
निर्झर–कूप–तड़ाग, सुनाते नई कहानी।।

भरे लबालब खेत, विहँसती धरती रानी।
बादल करते शोर, झमाझम बरसे पानी।।

चंचल चपला संग, गरजते वारिद काले।
गाते मेघ मल्हार, मुदित होकर मतवाले।।

आती जब बरसात, धरा के जीव सरसते।
नाचे मन का मोर, मेघ घनघोर बरसते।।

अतिशय होती वृष्टि, नदी बन जाती गलियाँ।
देख बाढ़ के दृश्य, सिसकती मन की कलियाँ।।

डॉ. नीलिमा मिश्रा 'नीलम'
प्रयागराज

# अपनी ही मौत से 24 घंटे पहले दिव्या भारती ने बोला था-मुझे बचाओ... सालों बाद सामने आया दिल दहला देने वाला सच !

बॉलीवुड की सबसे हसीन और दिवंगत अभिनेत्री दिव्या भारती की अचानक मौत आज भी उनके चाहने वालों के लिए एक अनसुलझी याद बनी हुई है। उनके निधन से जुड़े किस्सों और तथ्यों को जानने की उत्सुकता आज भी फैंस में बनी रहती है। बहुत कम लोग जानते हैं की जब उनका निधन हुआ, तब वह अनिल कपूर के साथ फिल्म लाडला की शूटिंग कर रही थीं। उनके असामयिक निधन के बाद फिल्म की कहानी और शूटिंग का बड़ा हिस्सा दोबारा करना पड़ा। हाल ही में फिल्ममेकरअनीस बज्मी ने खुलासा किया कि वह दिव्या भारती के निधन से महज एक दिन पहले उनसे मिले थे। उन्होंने अपनी आखिरी मुलाकात से जुड़ी कुछ भावुक यादें साझा कीं, जिन्होंने एक बार फिर दिव्या भारती को लेकर पुरानी यादें ताजा कर दीं। हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान अनीस बज्मी ने बताया की वो समय हमारे लिए काफी दुखद था। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो ही चुकी थी और उन्होंने अपने किरदार को भी बहुत ही शानदार तरीके से निभाया था लेकिन इसके बाद क्लाइमैक्स की शूटिंग से पहले ही उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। जैसे ही ये खबर सामने आई हर कोई सदमे में चला गया, किसी को समझ नहीं आया कि क्या किया जाए। दिव्या की मौत के करीब 2 महीने तक किसी ने काम नहीं किया। उस फिल्म का 90 प्रतिशत हिस्सा शूट हो चुका था और पूरी टीम काफी परेशान थी कि आगे क्या किया जाए ? बहुत ज्यादा सोच–विचार करने के बाद उन्होंने फिल्म को दोबारा से शूट करने का फैसला किया। अनीस बज्मी ने बताया कि आखिरकार मेकर्स ने फिल्म में दिव्या भर्ती की जगह श्रीदेवी को लेने का फैसला किया और प्रोजेक्ट को नए सिरे से शुरू किया। मुताबिक, इस फैसले ने फिल्म को एक अलग पहचान दे दी। उन्होंने आगे कहा की दिव्या भारती के अचानक निधन की वजह से उनकी दो फिल्में लाडला और अंगरक्षक दोबारा शूट करनी पड़ी। अनीस ने याद करते हुए बताया कि अंगरक्षक की शूटिंग भी पूरी हो चुकी थी और उस समय पूरी टीम चेन्नई में काम कर रही थी। दिव्या के निधन से ठीक एक दिन पहले उन्होंने उनके साथ एक सीन शूट किया था, दिव्या कैमरे से दूर

> “
> जैसे ही ये खबर सामने आई हर कोई सदमे में चला गया, किसी को समझ नहीं आया कि क्या किया जाए। दिव्या की मौत के करीब २ महीने तक किसी ने काम नहीं किया। उस फिल्म का ९० प्रतिशत हिस्सा शूट हो चुका था और पूरी टीम काफी परेशान थी कि आगे क्या किया जाए ?

जाती हैं और धीरे–धीरे फ्रेम से बाहर हो जाती हैं। उसी समय एक व्यक्ति आता है, जिसने अपना मुँह ढका हुआ है और वो उन्हें वहां से घसीटकर ले जाता है। इसके बाद दिव्या जोर से चिल्लाती है और कहती है कि मुझे बचाओ. .. और अगले दिन उनका देहांत हो जाता है। इस खबर के बाद पूरी टीम सदमे में चली गई। इसके बाद उन्होंने इस फिल्म के श्रीदेवी को रोल दिया। इसके बाद दोनों फिल्मों की शूटिंग की शुरुआत दोबारा से हुई।

## 94 की उम्र में फिल्ममेकर मीरा नायर की मां प्रवीण नयार का हुआ निधन, 80 हजार से ज्यादा बच्चों के लिए बनी थीं मसीहा

मनोरंजन और समाजसेवा जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। मशहूर फिल्ममेकर मीरा नायर की मां और प्रसिद्द समाजसेवी प्रवीण नयार का 94 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनके जाने से सिर्फ उनके परिवार ही नहीं बल्कि समाजसेवा और फिल्म इंडस्ट्री में भी शोक की लहर दौड़ गई है। प्रवीण नायर ने अपना पूरा जीवन जरूरतमंद बच्चों की मदद और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया इसलिए उनके निधन से हजारों लोगों, खासकर उन बच्चों के बीच गहरा दुःख है जिनकी जिंदगी को उन्होंने बेहतर बनाने में अहम भूमि निभाई थी। आपको बता दें की प्रवीण नायर कोई आम इंसान नहीं थीं बल्कि वो एक बहुत बड़ी समाज सेविका थीं। उन्होंने अपना सारा जीवन समाज सेवा में बिता दिया। उन्होंने ओडिशा में रेड क्रॉस, डीएवी पब्लिक स्कूल और डेफ एंड डंब एसोसिएशन जैसी कई संस्थाओं के साथ मिलकर लोगों की सेवा की। उनकी जिंदगी में अहम बदलाव तब आया, जब उन्होंने अपनी बेटी मीरा बायर की साल 1988 में रिलीज हुई फिल्म सलाम बॉम्बे देखी। मुंबई की सड़कों पर रहने वाले बेसहारा बच्चों की दर्दभरी कहानी ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। इसके बाद उन्होंने जरूरतमंद और बेघर बच्चों के बेहतर भविष्य के काम करने का संकल्प लिया और खुद को पूरी तरह इस मिशन के लिए समर्पित कर दिया। इसी उद्देश्य के सतह प्रवीण नायर ने अपनी बेटी मीरा नायर, अंजू चोपड़ा और संजय के. रॉय के साथ मिलकर सलाम बालक ट्रस्ट की नींव रखी। शुरुआत में यह संस्था सिर्फ 25 बच्चों और तीन कर्मचारियों के साथ शुरू हुई थी लेकिन समय के साथ इसका दायरा लगातार बढ़ता गया। आज यह ट्रस्ट 25 से अधिक शेल्टर होम संचालित करता है और 80 हजार से ज्यादा जरूरतमंद बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला चुका है। यह संस्था बच्चों को सुरक्षित आश्रय, शुक्षा और उज्जवल भविष्य के लिए आवश्यक सहयोग उपलबध कराती है। प्रवीण नायर का एक किस्सा आज भी लोगों को याद है। एक बार कान्स फील फेस्टिवल में फोटोग्राफर्स ने उन्हें एक्ट्रेस समझ लिया था। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने फिल्म में कौन सा रोल किया है तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि, मैं डायरेक्टर की प्रोड्यूसर हूं। उनका यह जवाब लोगों को बहुत पसंद है और आज भी उनका यह किस्सा याद किया जाता है।

# शादी के 2 साल बाद ही टूटा एक्ट्रेस अदिति शर्मा का घर, पति पर लगाए घरेलू हिंसा के आरोप, सास-ननद के खिलाफ भी एफआईआर

अपोलीना–सपनों की ऊंची उड़ान, रब से है दुआ और कलीरें जैसे शो से घर–घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अदिति शर्मा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने पति और ससुराल वालों पर घेरलू हिंसा का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। उनकी शिकायत के बाद मुंबई के गोरेगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस जांच में जुट गई है। 31 जुलाई को दर्ज हुई इस थ्प्त में अदिति के पति अभिनीत विद्यानंद कौशिक के साथ–साथ उनकी मां उर्मिला कौशिक और बहन कीर्ति कौशिक को भी आरोपी बनाया गया है। लंबे समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लेकर चर्चा में रहने वाली अदिति अब इस मामले को लेकर खबरों ने बनी हुई हैं। अदिति शर्मा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है की उनके पति, सास और ननद ने उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। उन्होंने घरेलू हिंसा, मारपीट, अभद्र भाषा की इस्तेमाल करने, उनके चरित्र और सन्देश जताने और शादी में मिले गहनों का गलत तरीके से इस्तेमाल करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। एक्ट्रेस का दावा है की उनके गहने अब तक उन्हें वापस नहीं किए गए हैं। पुलिस को दिए बयान में अदिति ने बताया की जून 2021 में एक ऑनलाइन एक्टिंग क्लास के दौरान उनकी मुलाकात अभिनीत विद्यानंद कौशिक से हुई थी। धीरे–धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल है। अदिति ने यह भी बताया की इससे पहले मार्च 2025 में भी उन्होंने अपने पति पर घरेलू हिंसा के आरोप लगाए हैं। अदिति शर्मा ने बताया कि दोनों परिवार की सहमति से 12 नवंबर 2024 को शादी करने से पहले वह और अभिनीत सितंबर 2024 गोरेगांव वेस्ट स्थित एक अपार्टमेंट में साथ रह रहे थे। को इसके बाद उन्होंने बताया कि उनके पति का रवैया धीरे–धीरे बदलता चला गया। हर छोटी–मोटी बातों पर दोनों के बीच लड़ाई शुरू हो गई। इतना ही नहीं उनका पति उनसे घर खर्च के लिए पैसे मांगने लगा। इसके बाद 2025 की एक शिकायत के अनुसार, एक कॉफी की वजह से दोनों के बीच लड़ाई–झगड़ा शुरू हो गया और बात गालियों तक पहुंच गईं। बात यहां खत्म नहीं हुई इसके बाद उनका पति उनके ऊपर शक करने लगा। इसके बाद वो बार–बार उनका मोबाइल फोन चेक करते थे और आखिर में अलग कमरे में रहने लगे। अदिति ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें अपने माता–पिता से बात करने की भी अनुमति नहीं दी जाती थी। पति के साथ–साथ अदिति ने अपनी सास पर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा की उनकी शादी के गहने सास ने अपने पास ही रख लिए हैं। इतना ही नहीं जब उनका पति उनको तंग करता था तो मदद करने की वजह उनकी सास और नन्द भी लड़के का साथ देती थीं। अभी ससुराल वालों की तरफ से इसके ऊपर कोई बयान नहीं आया है। पुलिस की जांच अभी तक जारी है।

## नौकरी के नाम पर होने वाली ठगी और मानव तस्करी की कहानी बयां करेगी जॉब ट्रैफिकिंग

सेलेक्ट मीडिया होल्डिंग्स और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रतीक खन्नूजा, समीर चंद, विकेश भूटानी और शुजात सौदागर द्वारा निर्मित जॉब ट्रैफिकिंग को प्रशांत नायर ने बनाया है और इसका निर्देशन भी किया है। भारत और दक्षिण–पूर्व एशिया की पृष्ठभूमि पर आधारित यह रोमांचक सर्वाइवल ड्रामा निमरत कौर, रोशन मैथ्यू, काव्या त्रेहान और पवन मल्होत्रा जैसे दमदार कलाकारों से सजा है। प्राइम वीडियो, जो भारत का सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म है, उसने अपनी नई हिंदी ओरिजिनल सीरीज जॉब ट्रैफिकिंग की दुनिया की पहली झलक दिखाई है। यह दमदार सर्वाइवल ड्रामा मशहूर निर्देशक प्रशांत नायर ने बनाया और निर्देशित किया है। सेलेक्ट मीडिया होल्डिंग्स और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रतीक खन्नूजा, समीर चंद, विकेश भूटानी और शुजात सौदागर ने इसे प्रोड्यूस किया है। आठ एपिसोड की इस सीरीज में निमरत कौर, रोशन मैथ्यू, काव्या त्रेहान और पवन मल्होत्रा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जॉब ट्रैफिकिंग एक बेबाक काल्पनिक सीरीज है, जो दर्शकों को ऑनलाइन स्कैम की अंधेरी दुनिया में ले जाएगी। इस स्कैम को आमतौर पर पिग बुचेरिंग कहा जाता है, जिसमें ठग कई हफ्तों या महीनों तक ऑनलाइन अपने शिकार का भरोसा जीतते हैं, उनसे झूठा रिश्ता बनाते हैं और फिर उनकी पूरी जमा–पूंजी ठग लेते हैं। लेकिन दुनिया अक्सर इसका दूसरा पहलू नहीं देख पाती। कीबोर्ड के पीछे बैठे वे युवा, जिन्हें नकली नौकरी का लालच देकर सीमाओं के पार ले जाया जाता है और फिर मजबूर किया जाता है कि वे खुद ऐसे स्कैम का हिस्सा बनें, जो मासूम लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देते हैं। यह सर्वाइवल ड्रामा दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ रहे अपराधों में से एक के पीछे छिपे पूरे नेटवर्क को सामने लाता है। सीरीज तीन अनजान लोगों की कहानी दिखाती है। एक ऐसा स्कैमर जो इस जाल से निकलने की कोशिश कर रहा है, एक ठगी का शिकार हुई गृहिणी जो जवाब तलाश रही है और एक सीईओ जो इस पूरे खेल के बीच फंस जाता है। इन तीनों की राहें टूटे भरोसे, धोखे और शोषण के खतरनाक जाल में आकर मिलती हैं। जो सफर एक बेहतर मौके के सपने से शुरू होता है, वही धीरे–धीरे कैद और मजबूरी के ऐसे डरावने दौर में बदल जाता है, जहां निकलने का कोई रास्ता नहीं बचता। रोमांच, गहरी भावनाओं और हाई–स्टेक ड्रामा से भरपूर जॉब ट्रैफिकिंग दर्शकों को सर्वाइवल, हिम्मत और हर हाल में अपनी इंसानियत वापस पाने की जंग से रूबरू कराएगी। इस सीरीज से जुड़ी और जानकारी के लिए बने रहिए।

# किसी ने दी घर बैठने की सलाह तो किसी ने दिया आपत्तिजनक बयान

तमिलनाडु में कावेरी जल विवाद पर आयोजित रैली के दौरान डीएमके नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने ऐसा बयान दिया, जिस पर हंगामा हो रहा है। उन्होंने कथित तौर पर साउथ इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री तृषा पर यह टिप्पणी की थी। उनकी टिप्पणी को लेकर आलोचना हो रही है। यह पहली बार नहीं है, जब तृषा पर निशाना साधा गया हो। इससे पहले भी उन पर तमाम लोगों ने मर्यादा का उल्लंघन कर आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी की हैं। साल 2023 में अभिनेता मंसूर अली खान ने फिल्म लिओ की सफलता के बाद तृषा कृष्णन को लेकर एक आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस पर महिला आयोग ने भी मंसूर अली खान के खिलाफ एक्शन लिया था। दरअसल, तृषा और मंसूर अली खान ने लोकेश कनगराज की फिल्म श्लियोश में साथ काम किया था। हालांकि, फिल्म में दोनों ने स्क्रीन स्पेस साझा नहीं किया था। फिल्म के बाद मंसूर अली खान ने कहा था, जब मैंने सुना कि मैं तृषा के साथ काम कर रहा हूं, तो मैंने सोचा कि फिल्म में एक बेडरूम सीन होगा। लेकिन इन लोगों ने कश्मीर शेड्यूल के दौरान सेट पर तृषा को मुझे दिखाया भी नहीं। इस टिप्पणी पर तृषा ने नाराजगी जाहिर करते हुए मंसूर के साथ कभी काम न करने की बात कही थी। इतना ही नहीं, फरवरी 2024 में तृषा कृष्णन पर एआईडीएमके के पूर्व नेता एवी राजू ने अभद्र टिप्पणी करते हुए एक आरोप लगाया था। राजनेता ने एक्ट्रेस की निजी जिंदगी पर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसका अदाकारा ने पुरजोर विरोध किया था। तृषा ने सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर उन्हें लताड़ लगाई थी और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कही थी। कई और लोगों ने तृषा के पक्ष में आवाज उठाते हुए इस टिप्पणी की आलोचना की थी। बाद में एवी राजू ने माफी मांगी थी। भाजपा नेता नैयनार नागेंद्रन की भी तृषा पर कुछ ऐसी ही टिप्पणी पर काफी हंगमाा हुआ था। फरवरी 2026 में नागेंद्रन ने अभिनेता विजय और तृषा के रिश्तों को लेकर एक अभद्र और राजनीतिक टिप्पणी की थी। उनके कमेंट पर तृषा ने तुरंत पलटवार करते हुए इसे कायरतापूर्ण बताया था। दरअसल, नैयनार नागेंद्रन ने एक सवाल के जवाब में विजय को लेकर टिप्पणी करते हुए तृषा कृष्णन का नाम जोड़ दिया था। नागेंद्रन ने विजय को अनुभवहीन बताते हुए कहा था कि पहले वे बाहर आएं और तृषा के घर से बाहर निकलें। बयान के बाद सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में विरोध बढ़ा तो कुछ ही घंटों में उन्होंने सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली। उन्होंने कहा कि यह उनकी स्थापित मर्यादा से अलग बयान था।

## घर के सामने बिल्कुल भी न लगाएं ऐसे पेड़-पौधे, नेगेटिविटी से भर जाएगा आशियाना

घर में पेड़–पौधे लगाने का बहुत से लोगों को शौक होता है। यह घर की सुंदरता तो बढ़ाते हैं इसके अलावा वास्तु शास्त्र के अनुसार भी इन्हें घर में लगाना बहुत ही शुभ बताया गया है। इसके अलावा इस शास्त्र में कुछ ऐसे पौधे भी बताए गए हैं जो घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाते हैं। इन पौधों को संबंध ग्रहों के शुभ और अशुभ प्रभाव से भी होता है। इसके अलावा कुछ पेड़ ऐसे भी होते हैं जिन्हें घर के सामने नहीं लगाना चाहिए। इन पेड़ों को घर में लगाने से नेगेटिविटी बढ़ती है और धन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तो आइए जानते हैं इनके बारे में....

इमली का पेड़

मान्यताओं के अनुसार, इमली का पेड़ घर में नेगेटिविटी फैलाता है इसलिए इसे घर के सामने नहीं लगाना चाहिए। यदि यह पेड़ घर के बाहर लगा हो तो इससे वैवाहिक रिश्ते में दरार पैदा हो सकती है।

पीपल का पेड़

पीपल का पेड़ भी घर के आसपास लगाना शुभ नहीं माना जाता है। घर में इसे लगाने से धन की हानि होती है। परंतु यदि यह आपके घर में खुद उग गया है तो इसे बिल्कुल न काटें इसे आप किसी पवित्र स्थान या फिर मंदिर में लगा सकते हैं।

खजूर का पेड़

खजूर का पेड़ भी घर के अंदर नहीं लगाना चाहिए। इस पेड़ को घर में लगाने से परिवार के सदस्यों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है इसके अलावा यह पेड़ परिवार के सदस्यों की तरक्की को भी प्रभावित करता है। इसलिए इसे कभी भी घर के पास या अंदर नहीं लगाना चाहिए।

बेर का पेड़

बहुत से लोग बेर का पेड़ घर या उसके आस–पास लगाते हैं परंतु यह पेड़ लगा होने से आपके जीवन में परेशानियां आ सकती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार कांटेदार पौधे घर में लगाने अशुभ होते हैं और बेर के पेड़ में कांटे लगे होते हैं इसे लगाने से जीवन में परेशानियां आ सकती हैं। इसके अलावा यह पेड़ नेगेटिव प्रभाव भी घर के सदस्यों पर डालता है। इसे घर में लगाने से आर्थिक तंगी आती है।

मदार का पौधा

यह पौधा भी घर के आस–पास लगाने से नेगेटिविटी बढ़ती है। इस पौधे से दूध निकलता है ऐसे पौधे जिनसे दूध निकलता है वह घर में नेगेटिविटी बढ़ाते हैं इसलिए इन्हें घर के आस–पास नहीं लगाना चाहिए।

## गर्मी में रहना है हाइड्रेटेड और एनर्जेटिक तो फटाफट तैयार करें तरबूज का जूस

गर्मियों ने दस्तक दे दी है। इस मौसम में जरूरी है खुद को हाईड्रेटेड रखना बहुत जरुरी है, इसके लिए आप फलों का डाइट अपनी रूटीन में शामिल करें। आप तरबूज का जूस पी सकते हैं। इसे बनाना भी काफी आसान है। आइए आपको बताते हैं इसकी आसान रेसिपी...

सामग्री

तरबूज– 1/2

नींबू– 1

पुदीना– 1 छोटी कटोरी

बनाने की विधि

1. सबसे पहले तरबूज को आधा काट लें और ब्लेंडर में डालें।

2. तब तक तरबूज को ब्लेंड करें जब तक पूरी तरह से जूस ना बन जाए।

3.अब इसमें पुदीना और एक छोटा सा नींबू का रस ब्लेंडर में निचोड़े और कुछ सेकंड के लिए ब्लेंड करें।

4. तरबूज रेशेदार या बीज वाला है, तो मिश्रण को महीने जाली वाली छलनी से छान लें।

5. फिर बर्फ से भरे गिलासों में जूस डालें और ठंडा– ठंडा सर्व करें।

## क्या आप भी हैं मीठा खाने के शौकिन तो पहले जान लें ये बात, स्किन पर पड़ेगा ऐसा असर

मीठा बहुत से लोगों की पहली पसंद होता है। खासकर खाने के बाद जब तक कुछ मीठा ना मिले तो मजा नहीं आता। इसके अलावा पीरियड्स में महिलाओं को मीठा खाने की बहुत क्रेविंग्स होती हैं हालांकि शरीर को भी चीनी की जरुरत होती है परंतु ज्यादा मात्रा में सफेद चीनी खाने की आदत शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। हालांकि अगर आपको मीठे की क्रेविंग है तो इसका मतलब यह नहीं कि आप बिल्कुल इसका सेवन न करें लेकिन ज्यादा मात्रा में मीठा खाने से स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है। तो चलिए आज आपको बताते हैं कि ज्यादा मीठा खाना सेहत को कैसे नुकसान पहुंचाता है....

स्किन एक्सपर्ट ने किया अलर्ट

स्किन एक्सपर्ट डॉ गीतिका मितल गुप्ता ने अपनी एक पोस्ट के जरिए सबको बताया है कि स्किन पर चीनी का कैसे प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा उन्होंने अपनी इस पोस्ट में यह भी बताया कि नियमित चीनी का सेवन करने से त्वचा की ऊपरी परत को गंभीर नुकसान होता है। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि – श्क्या आप जानते हैं कि मीठे व्यंजनों का ज्यादा सेवन करना आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। चीनी का सेवन कई तरह की समस्याओं का जन्म देता है जिसके कारण आपका रंग और पूरी त्वचा का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। आइए आपको बताती हूं कि स्किन पर चीनी कैसे असर करती है और आप स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए इसकी जगह अच्छी डाइट ले सकते हैं।'

सूजन

चीनी सूजन को बढ़ावा देती है इसके कारण त्वचा में लालिमा जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसका सेवन करने की जगह आप फल, सब्जियां और ओमेगा–3 युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकते हैं।

ग्लाइकेशन

चीनी ग्लाइकेशन के जरिए त्वचा में एजिंग की समस्या खड़ी कर सकती है जिसके कारण कोलेजन और इलास्टिन फाइबर मजबूत और लचीला होने लगता है इसके कारण स्किन पर झुर्रियां और बढ़ती उम्र का असर दिखने लगता है। ऐसे में समय से पहले यदि आप नहीं चाहते कि आपकी स्किन प्रभावित हो तो आप ग्लाइसेमिक खाद्य पदार्थों को चुनें।

झुर्रियां

ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करने से त्वचा के कोलेजन और इलास्टिन फाइबर को भी नुकसान पहुंचता है जिसके कारण झुर्रियां बढ़ने लगती हैं। ऐसे में ऑक्सीडेटिव तनाव दूर करने के लिए आप विटामिन–सी, विटामिन–ई और एंटीऑक्सीडेंट्स वाले पदार्थ अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कोलेजन

चीनी कोलेजन के उत्पादन में भी नुकसान पहुंचाती है।

कोलेजन त्वचा में खिंचाव पैदा करने के लिए जरुरी है। ऐसे में इसकी जगह आप डाइट में शकरकंद, गाजर जैसे विटामिन–ए युक्त शामिल करें । यह पदार्थ त्वचा में कोलेजन का उत्पादन बढ़ा सकते हैं।

ब्रेकआउट

चीनी सीबम का उत्पादन बढ़ाती है जिसके कारण त्वचा में ब्रेकआउट्स आने लगते हैं। ऐसे में इसकी जगह आप अच्छी डाइट को अपनी रुटीन में शामिल करें। प्रोबायोटिक्स पदार्थ आपकी त्वचा को हैल्दी रखने में मदद करेंगे। इनकी जगह आप इन्हें डाइट में शामिल कर सकते हैं।

डलनेस

इसके कारण स्किन की चमक भी खो सकती हैं क्योंकि यह ब्लड शुगर के स्तर को प्रभावित करती है जिसके कारण त्वचा डैमेज होने लगती है। ऐसे में इसकी जगह आप हाईड्रेशन को प्राथमिकता दें, चमकदार स्किन के लिए डाइट में विटामिन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें।

त्वचा का संतुलन बिगड़ता है

चीनी त्वचा के प्राकृतिक संतुलन में बाधा खड़ी कर सकती है। इसके अलावा चीनी के कारण त्वचा में तेल उत्पादन और नमी पर भी असर पड़ता है। ऐसे में इसकी जगह आप संतुलित डाइट और त्वचा की अच्छे से देखभाल करें।

फ्री रेडिक्लस

चीनी मुक्त कणों का त्वचा में निर्माण करती है जिसके कारण स्किन को सेलुलर क्षति पहुंचती है। ऐसे में जामुन, ग्रीन टी, नट्स जैसी चीजें आप डाइट में शामिल कर सकते हैं। इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा में ऑक्सीडेटिव तनाव कम करने में मदद करते हैं। अच्छी डाइट में पोषक तत्वों से युक्त आहार को डाइट में शामिल करके आप अपनी स्किन को अंदर से पोषण दे सकते हैं। इससे आपकी स्किन हैल्दी और त्वचा की रंगत अच्छी रहेगी।

## कैंसर को जड़ से खत्म कर देगी ये नई दवाई, 20 साल की रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने जगाई उम्मीद

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसके कारण भारत में हर साल कितने लोग अपनी जान गंवाते हैं। यह एक ऐसी बीमारी है जिसकी कोई एक दवाई भी नहीं है। हालांकि अब तकनीकी बदलावों के चलते वैज्ञानिक इस पर रिसर्च कर रहे हैं और इस दवाई की खोज कर रहे हैं। हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक दवाई की खोज की है। इस दवाई के ट्रायल में उन्होंने इस बात की पुष्टि भी की है कि यह दवाई शरीर के सेल्स को भी नुकसान नहीं पहुंचाएगी और कैंसर ट्यूमर को बिल्कुल ही खत्म कर देगी। इस दवाई का नाम वैज्ञानिकों ने AOH 1996 रखा है। यह कैंसर के सेल्स में पाए जाने वाले प्रोटीन को टारगेट करती है। इसी कैंसर प्रोटीन के कारण शरीर में ट्यूमर फैलते हुए बढ़ता जाता है। हालांकि इससे पहले भी वैज्ञानिकों ने प्रोटीन–प्रोलिफेरेटिंग सेल न्यूक्लियर एंटीजन(पीसीएनए) नाम की दवाई की खोज की थी परंतु इस दवाई को उन्होंने इलाज योग्य नहीं माना था । वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो यह नई दवाई काफी प्रभावी बताई जा रही है।

20 साल की रिसर्च के बाद बनाई दवाई

यह दवाई अमेरिका के सबसे बड़ी कैंसर ऑर्गनाइजेशन लॉस एंजिल्स में सिटी ऑफ होप हॉस्पिटल ने 20 साल की रिसर्च के बाद बनाई है। ट्रायल में इस दवाई के काफी अच्छे परिणाम आए हैं ऐसे में इसके बाद वैज्ञानिकों के साथसाथ पूरे दुनिया में कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे व्यक्तियों में भी एक उम्मीद आई है। इस दवाई को लैब में कम से कम 70 तरह के कैंसर पर ट्राई

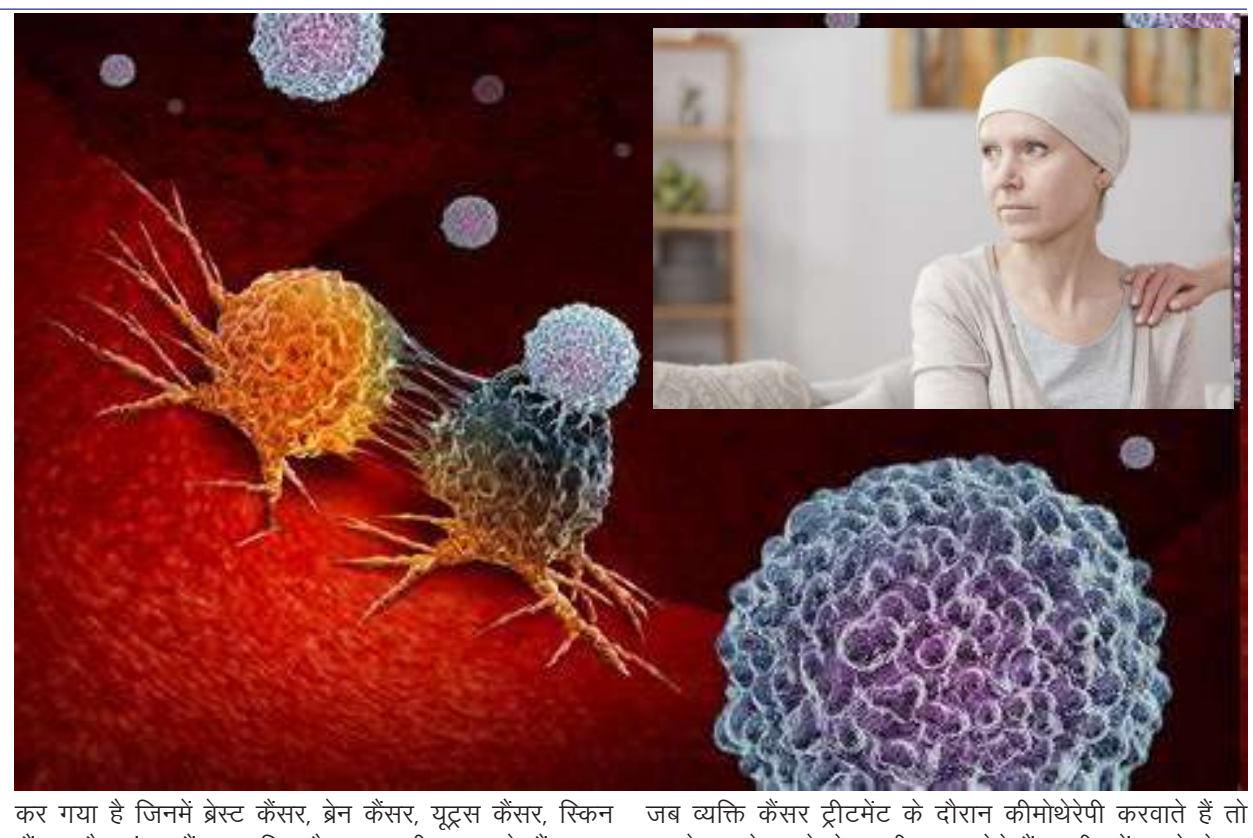

कर गया है जिनमें ब्रेस्ट कैंसर, ब्रेन कैंसर, यूट्रस कैंसर, स्किन कैंसर और लंग्स कैंसर शामिल है। इन सारी तरह के कैंसर पर इस दवाई ने अपना असर दिखाया है। दवाई बनाने वाले एक प्रोफेसर ने बताया कि –यह ड्रग कैंसर प्रोटीन को खत्म करने में मदद करती है और शरीर में कैंसर के कारण बन रहे सैल्स पर भी अटैक करती है। इसके जरिए ट्यूमर के विकास में भी समस्या खड़ी होती है जिसके कारण ट्यूमर आसानी से खत्म हो सकता है।

कैंसर के हैल्दी सेल्स पर नहीं करती असर

दवाई पर रिसर्च कर रही टीम के अनुसार, दवाई AOH 1996 कैंसर से जूझ रहे व्यक्तियों में सेल्स को बढ़ाने और फैलने के तरीके को बाधित करती है। यह कैंसर सेल्स को भी मार देती है। इस दौरान वह हैल्दी सेल्स पर कोई भी हमला नहीं करती जबकि जब व्यक्ति कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान कीमोथेरेपी करवाते हैं तो इससे उनके अच्छे सेल्स भी खत्म होते हैं। शरीर में अच्छे सेल्स खत्म होने के कारण कई तरह के साइड इफेक्ट्स होते हैं जैसे बाल झड़ना, चेहरे का काला पड़ना और पेट खराबी की समस्या दिख सकती है।

अभी दवाई का चल रहा है पहला ट्रायल

वहीं अभी इस ड्रग का शुरुआती ट्रायल ही चल रहा है। अगर ये ट्रायल सफल रहता है तो कैंसर के इलाज में काफी अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। वहीं वैज्ञानिकों की मानें तो कैंसर के सेल्स खत्म करने वाली दवाई की खोज भी हो गई है और अगर यह दवाई सही साबित हुई तो इंसानों पर कैंसर का भविष्य में काफी खतरा कम होगा।

इन दिनों कंजंक्टिवाइटिस यानी की पिंक आई जैसा खतरनाक इंफेक्शन बहुत ही तेजी से फेल रहा है। पूरे देश में अस्पतालों में मरीजों की इस वायरस के चलते भीड़ लगी हुई है। खासकर दिल्ली और इसके आस–पास के इलाकों में आई फ्लू के मामले बढ़ते दिख रहे हैं। भारी बारिश और जलभराव के कारण यह इंफेक्शन काफी फैल रहा है। वहीं स्कूल के स्टूडेंट्स को भी यह इंफेक्शन बहुत ही तेजी से घेर रहा है। ऐसे में आज आपको बताते हैं कि इस संक्रमण से आप अपने बच्चों को कैसे बचा सकते हैं। आइए जानते हैं....

न शेयर करने दे पर्सनल चीजें

## खतरनाक आई फ्लू से बच्चों को रखना है दूर तो माता-पिता इन बातों पर जरूर करें गौर

बच्चों को यह बताएं कि उन्हें अपनी कोई भी पर्सनल चीज किसी के साथ शेयर नहीं करनी है। नैपकीन या अपने रुमाल बच्चे को किसी के साथ शेयर न करने दें। खासकर अगर कोई बच्चा संक्रमित है तो उससे दूरी बनाने के लिए कहें।

हाथ साफ रखने को कहें

इसके अलावा इंफेक्शन से बच्चे को बचाने के लिए उन्हें साफ–सफाई का ध्यान रखने के लिए कहें। यदि बच्चे बाहर से आते हैं तो उनके हाथ धुलवाएं। अगर किसी गंदी चीज को उन्होंने हाथ लगाया है या वह बाहर से खेलकर आए हैं तो भी उन्हें साफ–सफाई रखने के लिए कहें। इसके अलावा समय–समय पर बच्चों को हाथ सैनिटाइज करने के लिए कहते रहें।

अच्छी डाइट दें

बच्चे को संक्रमण से बचाने के लिए अच्छी डाइट देना भी जरुरी है आप उन्हें संतरे, हैल्दी फूड, हरी सब्जियां, संतरे खिला सकते हैं।

बाहर खेलने ना जाने दें

इसके अलावा बढ़ते संक्रमण में बच्चे को ज्यादा बाहर भी न भेजें। उन्हें बाहर खेलने न दें किसी के साथ खेलने से संक्रमण ज्यादा फैल सकता है।

आंख न छूने दें

बच्चे को आंखें छूने भी न दें। अगर वह स्कूल से आएं हैं तो और अपनी आंखों को हाथ लगा रहे हैं तो यह उनके लिए नुकसानदायक हो सकता है। हाथों में मौजूद बैक्टीरिया और जर्म्स बच्चे के संपर्क में आकर उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं। गंदे हाथों से आंखें छूने से बच्चे संक्रमित होने लगते हैं।

इसके लक्षण

.आंखों में खुजली, जलन

. आंखों से पानी बहना

. आंखें लाल होना

. बुखार

. आंखों में सूजन होना

अगर इनमें से बच्चों में कोई भी लक्षण दिखता है तो उन्हें डॉक्टर के पास लेकर जाएं और आई फ्लू के दौरान बच्चे को स्कूल में न भेजें।

## संक्षिप्त

### धोनी की निगरानी में ऋषभ पंत ने की टेस्ट सीरीज की तैयारी, रांची में माही के साथ अभ्यास करते आए नजर

नई दिल्ली,एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की देखरेख में अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। भारत विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के तहत श्रीलंका दौरे पर जा रहा है, जहां पहला टेस्ट 15 अगस्त से शुरू होना है। स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम के लिए मध्य क्रम में पंत की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रहने की उम्मीद है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने रांची में धोनी और पूर्व भारतीय स्पिनर शाहबाज नदीम के साथ अभ्यास किया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में पंत और धोनी को पूर्व कप्तान के फार्महाउस से एक साथ बाहर निकलते हुए देखा गया, जबकि कई प्रशंसकों ने भी ट्रेनिंग सत्र की झलकियां साझा कीं। श्रीलंका का यह दौरा पंत के लिए एक ऐसे समय में आया है जब हाल ही में भारत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई घरेलू टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। श्रीलंका में परिस्थितियों के स्पिन के अनुकूल रहने की पूरी संभावना है, इसलिए पंत को उम्मीद होगी कि धोनी के साथ यह ट्रेनिंग सत्र दो मैचों की इस सीरीज से पहले उनके खेल को बेहतर बनाने में मदद करेगा। धोनी को उपमहाद्वीप में स्पिन गेंदबाजी और विकेटकीपिंग की परिस्थितियों को सबसे बेहतर ढंग से समझने वाले खिलाड़ियों में गिना जाता है। पंत पिछले कुछ वर्षों से नियमित रूप से उनकी सलाह लेते रहे हैं और दोनों के बीच गहरा रिश्ता है। इसके अलावा, यह विकेटकीपर बल्लेबाज सभी फॉर्मेट में अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को फिर से हासिल करने के लिए पिछले कुछ हफ्तों से पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह के मार्गदर्शन में अपनी सीमित ओवरों की क्रिकेट पर भी काम कर रहा है। शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, आकिब नबी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन।

### भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए का दस्ता तैयार, व्लामिन्क और ब्राउन की हुई वापसी

मेलबर्न,एजेंसी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भारत दौरे के लिए 15 सदस्यीय ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम की घोषणा कर दी है। टीम में तेज गेंदबाज टायला व्लामिन्क और डार्सी ब्राउन की वापसी सबसे बड़ा आकर्षण है। दोनों खिलाड़ी लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगी और भारत दौरे पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। 27 वर्षीय टायला व्लामिन्क पिछले टी20 विश्व कप के दौरान कंधे की चोट के कारण टीम से बाहर हो गई थीं। अब वह पूरी तरह फिट हैं और भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में अपनी लय हासिल करने की कोशिश करेंगी। वहीं, 23 वर्षीय तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन पिछले टी20 विश्व कप की टीम में जगह नहीं बना सकी थीं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ए टीम में चयन के बाद उन्हें खुद को साबित करने का अच्छा मौका मिला है। ऑस्ट्रेलिया ए टीम का भारत दौरा करीब तीन सप्ताह तक चलेगा। इस दौरान टीम न्यू चंडीगढ़ में तीन टी20 मैच खेलेगी। इसके बाद मोहाली में तीन एकदिवसीय मुकाबले होंगे, जबकि धर्मशाला में एक चार दिवसीय मैच भी खेला जाएगा। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि टीम में अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के विकास में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा, श्दोनों टीमों में अंतरराष्ट्रीय अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों के शामिल होने से युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। भारतीय उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव किसी भी खिलाड़ी के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। यह दौरा खिलाड़ियों को खुद को परखने और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने का शानदार मौका देगा।

### श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में उसकी धरती पर कैसा है भारत का रिकॉर्ड?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए रवाना होगी, जिसकी शुरुआत 15 अगस्त को गाले में होगी। सीरीज के पहले मैच से पूर्व भारत टेस्ट की तैयारी के लिए कोलंबो में श्रीलंका एकादश के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगा। शुभमन गिल नौ साल से अधिक समय में श्रीलंका के पहले टेस्ट दौरे पर भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। हालांकि, मेहमान टीम को जसप्रीत बुमराह की सेवाएं नहीं मिल पाएगी। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान लगी घुटने की चोट से उबरने में असफल रहने के बाद दुनिया के नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज बुमराह को सोमवार को इस महत्वपूर्ण सीरीज से बाहर कर दिया गया। बुमराह की जगह टीम में जम्मू–कश्मीर के गेंदबाज आकिब नबी को मौका मिला है। विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025–27 की अंक तालिका में श्रीलंका, भारत से नीचे है। लेकिन भारत उन्हें उनकी ही धरती पर हल्के में नहीं ले सकता है। मेजबान टीम के पास कई गुणवत्ता वाले बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिन्होंने कई मौकों पर उन्हें बड़ी जीत दिलाने में मदद की है। भारतीय खिलाड़ी आगामी सीरीज में एक मजबूत प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक होंगे ताकि टीम सीरीज में श्रीलंका टीम का सफाया कर सके और विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की अपनी उम्मीदों को जीवित रख सके।

# आकिब नबी के जरिये क्या अगरकर ने मोहम्मद शमी को दिया संदेश? टीम में वापसी की उम्मीदों को लगा झटका

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का लंबे समय तक फिट न रहना टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। हालांकि बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज से वह एक बार फिर चोट के कारण बाहर हो गए हैं। इस स्थिति के चलते भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनकी जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया है। भले ही घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के लिए आकिब नबी को यह मौका मिलने पर कई लोग खुश हैं, लेकिन इस फैसले ने मोहम्मद शमी की मौजूदा स्थिति की कड़वी सच्चाई को भी उजागर कर दिया है। शमी ने आखिरी बार साल 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 मैच खेला था और राष्ट्रीय टीम के लिए उन्होंने 2023 से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। वहीं, वनडे प्रारूप में उनका आखिरी मुकाबला पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ था।

शुरुआत में फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण शमी बाहर हुए थे, लेकिन पिछले एक साल के दौरान घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह आसान नहीं हो पाई है। जब मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर से शमी की संभावित वापसी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा था कि इस अनुभवी तेज गेंदबाज के पास टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए आवश्यक फिटनेस की कमी है। हालांकि, यह भी गौर करने वाली बात है कि अपने पिछले सात रणजी ट्रॉफी मैचों में शमी ने 1,383 गेंदें फेंकी और 16.72 की औसत से 37 विकेट चटकाए। इस दौरान उन्होंने 50 मेडन ओवर फेंके और तीन बार पारी में पांच विकेट लेने के साथ–साथ अपने प्रथम श्रेणी करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (90 रन देकर आठ विकेट) भी दर्ज किया। उसी रणजी ट्रॉफी अभियान में आकिब नबी ने सबसे आगे रहते हुए 12.56 की औसत से 60 विकेट अपने नाम किए। बीसीसीआई के लिए जम्मू–कश्मीर के इस तेज गेंदबाज ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए अपनी जगह पूरी तरह पक्की की। लेकिन इस सबसे बीच सवाल यह उठता है कि अब मोहम्मद शमी का अगला कदम क्या होगा? आकिब नबी का चयन अजीत अगरकर के संदेश को शमी के लिए बिल्कुल साफ कर देता है। यदि इस अनुभवी तेज गेंदबाज के मन में टेस्ट टीम में वापसी की कोई भी महत्वाकांक्षा है, तो उन्हें आगामी टूर्नामेंटों (जैसे दलीप ट्रॉफी) में उभरते हुए घरेलू गेंदबाजों से लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होगा और अपनी पूर्ण शारीरिक फिटनेस साबित करनी होगी। अब अनकैप्ड तेज गेंदबाज केवल स्क्वाड की संख्या पूरी करने के लिए नहीं हैं, बल्कि घरेलू क्रिकेट में भारी मात्रा में विकेट लेकर सीधे तौर पर शुरुआती प्लेइंग इलेवन की जगह के लिए मुकाबला कर रहे हैं, जिससे घरेलू स्तर पर दमदार प्रदर्शन के बिना किसी सीनियर खिलाड़ी की वापसी बेहद कठिन हो गई है।

# भविष्य में इंग्लैंड टीम के कोच बनना चाहेंगे बेन स्टोक्स ? इस सवाल पर क्या बोले पूर्व कप्तान

लंदन,एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स भविष्य में राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच बनना चाहते हैं। न्यूजीलैंड में जन्मे इस क्रिकेटर ने 122 टेस्ट, 114 वनडे और 43 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद 28 जून 2026 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने बताया है कि वह वर्तमान में अपनी लेवल 3 कोचिंग योग्यता पूरी कर रहे हैं और क्रिकेटर के तौर पर करियर खत्म होने के बाद कोचिंग में आगे बढ़ने की योजना बना रहे हैं। स्टोक्स ने कहा कि वह खेल से जुड़े रहने के लिए भविष्य में कोच बनना चाहते हैं और एक दिन इंग्लैंड को कोचिंग देने के अवसर को पसंद करेंगे। एक पॉडकास्ट पर बोलते हुए स्टोक्स ने कहा कि वह अभी भी खेलते समय अपनी लेवल 3 कोचिंग कर रहे हैं, क्योंकि वह चाहते हैं कि जब वह क्रिकेटर के तौर पर मैदान से दूर हो जाएं तो किसी

तरह इस खेल से जुड़े रहें। उन्होंने आगे कहा कि वह जानते हैं कि खेल के साथ जुड़े रहने के लिए वह क्या करना चाहते हैं, जो कि एक कोच बनना है। उन्होंने कहा कि वह एक दिन इंग्लैंड का कोच बनना पसंद करेंगे। उन्हें खेलने से दूर किसी अन्य रूप में नेतृत्व करने का विचार बहुत पसंद है। स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद इंग्लैंड ने जो रूट को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया है। स्टोक्स को जो रूट के इंग्लैंड के कप्तान के रूप में बड़ी सफलता हासिल करने का पूरा भरोसा है, लेकिन उन्हें डर है कि यह भूमिका रूट पर भारी पड़ सकती है। स्टोक्स ने कहा कि वह चाहते हैं कि रूट सफलता हासिल करें और उन्हें उम्मीद है कि वह कप्तान के रूप में सफल रहेंगे। स्टोक्स ने कहा, मुझे लगता है कि वह फ्लेमिंग के साथ इसका वास्तव में आनंद लेंगे, क्योंकि वह एक महान व्यक्ति हैं। उन्होंने पहले भी फ्लेमिंग के साथ काम किया है। मैं अब सिर्फ इसी बात की परवाह करता हूं क्योंकि मैंने देखा है कि रूट ने क्या झेला है और वह किसी के लिए खुद को कितना कष्ट देते हैं। स्टोक्स ने कहा कि रूट हमेशा टीम को पहले रखते हैं और खुद को दूसरे स्थान पर रखते हैं। यही उनकी एकमात्र चिंता है, खासकर यह जानते हुए कि पिछली बार जब वह टीम के कप्तान थे, तो उन्होंने क्या झेला था। वह ऐसा दोबारा कभी नहीं देखना चाहते हैं क्योंकि वह जो की बहुत परवाह करते हैं, लेकिन वह उन्हें सफलता की शुभकामनाएं देते हैं।

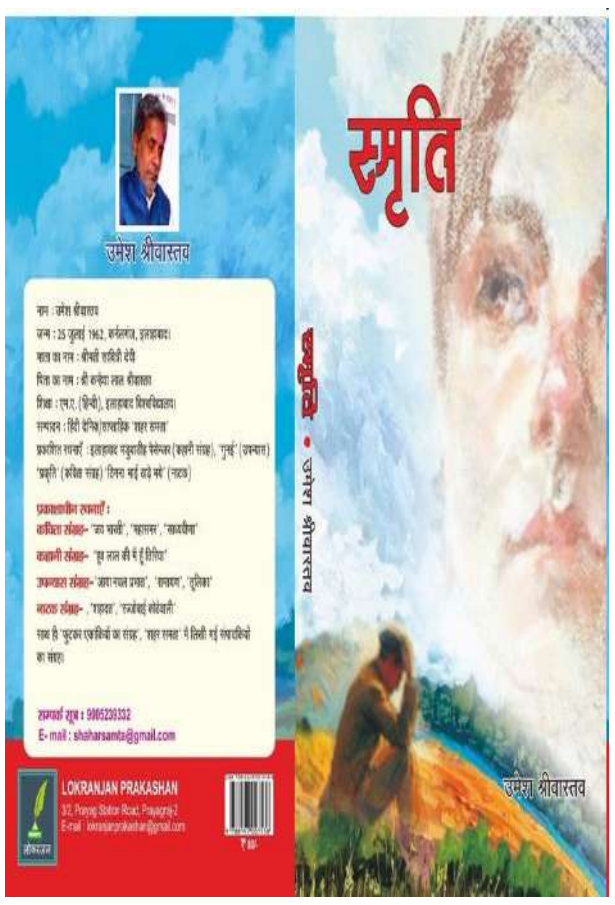


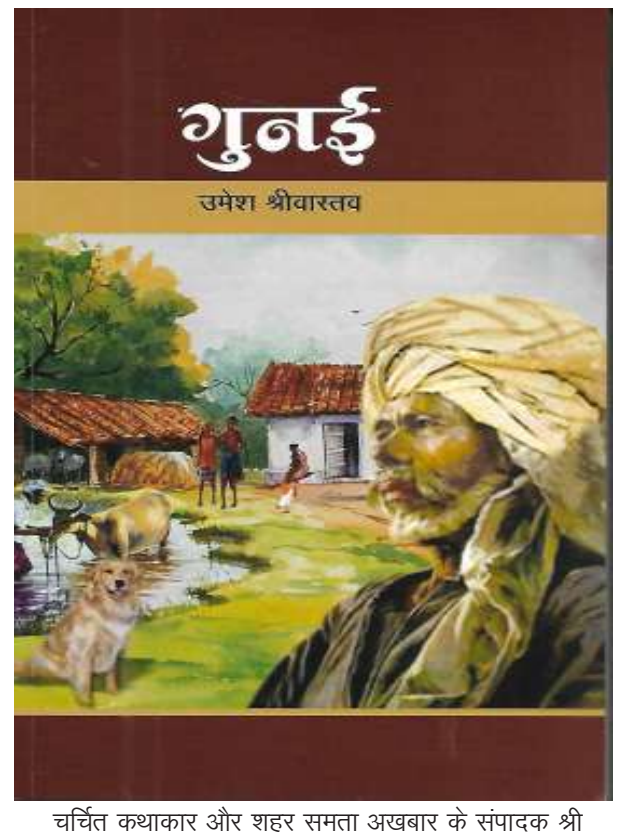


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

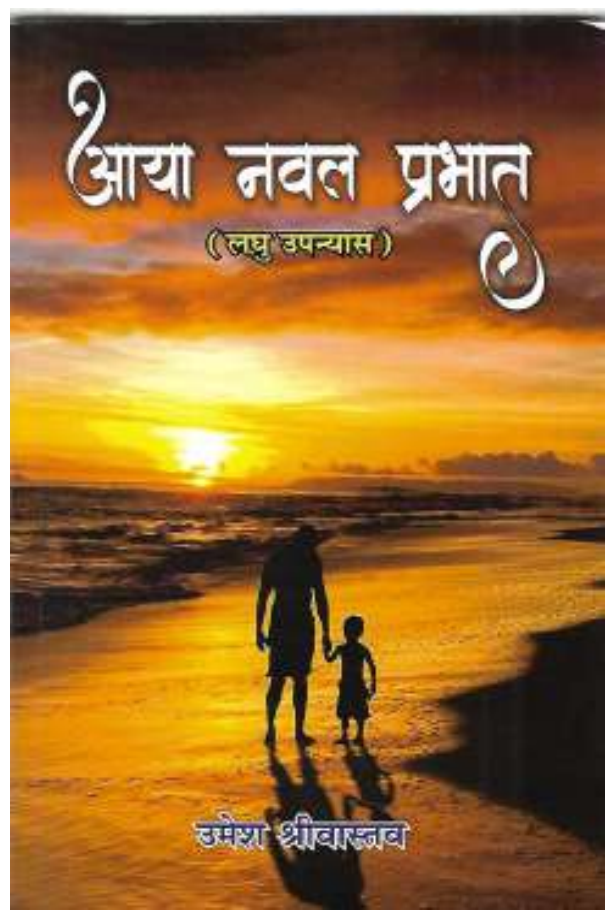


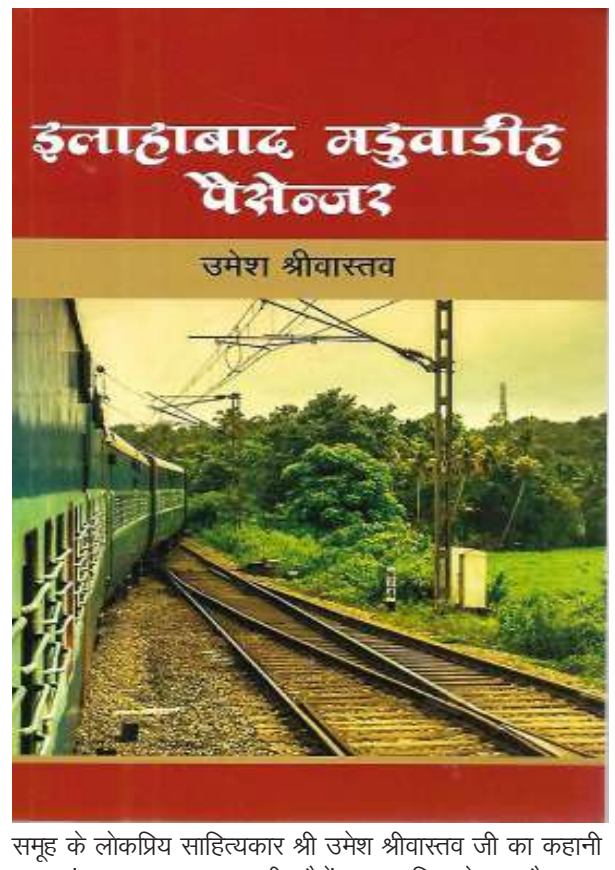


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

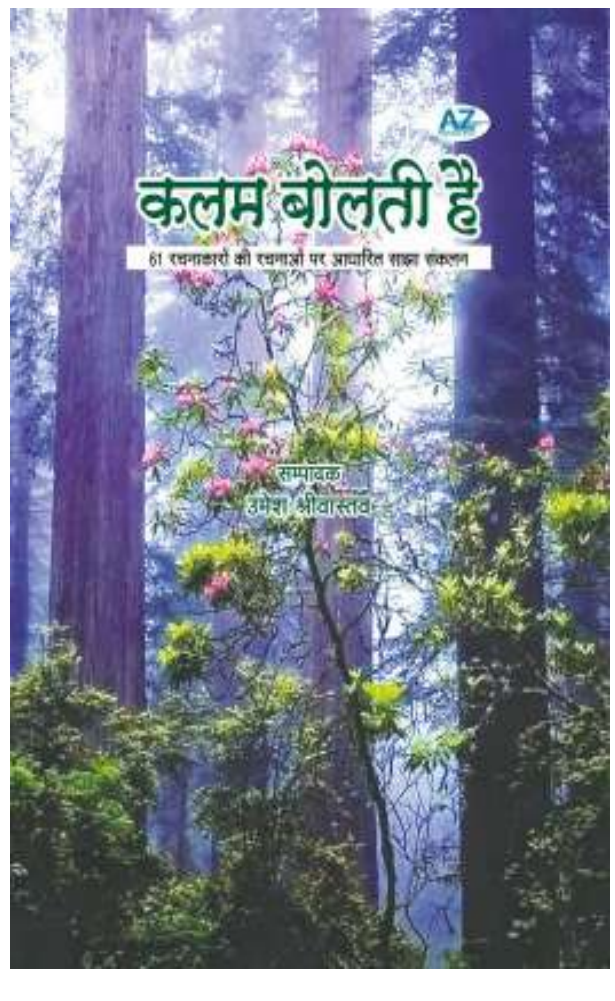


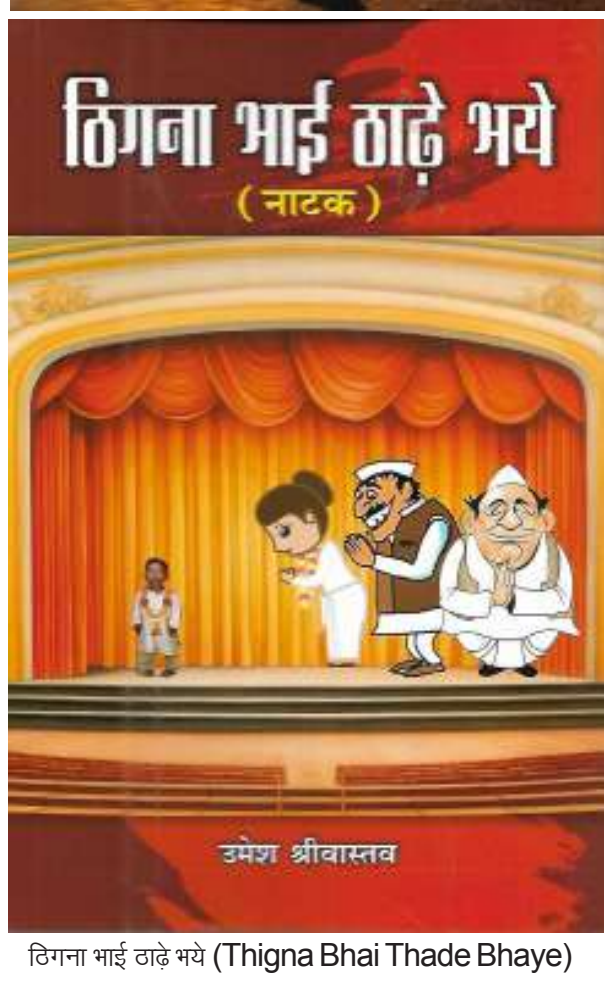


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### चीन में हर विदेशी पर रहती है खुफिया नजर? डाटा लीक ने खोली पोल, हर गतिविधि की बनती है डिजिटल प्रोफाइल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। कोई विदेशी नागरिक, पर्यटक या व्यवसायी जैसे ही चीन की धरती पर कदम रखता है, उसकी हर

छोटी–बड़ी हरकत पर खुफिया नजरें टिक जाती हैं। वीजा रिकार्ड से लेकर उसके होटल में ठहरने, कहीं आने–जाने, खाने–पीने तक की रीयल टाइम मॉनीटरिंग होती है और बाकायदा डिजिटल प्रोफाइल तैयार कर लिया जाता है। चीनी प्रशासन अपनी व्यापक निगरानी प्रणालियों को आतंकवाद और अपराध रोकने का जरिया बताता है, लेकिन इसे सुरक्षा के नाम पर व्यक्तिगत गोपनीयता का खुला उल्लंघन माना जा रहा है। यह सब चीनी पुलिस और निगरानी तकनीकी कंपनियों के संगठित तंत्र के तहत चल रहा है। कंपनियां पुलिस की जरूरतों के मुताबिक रोबोटिक्स, फेशियल रिकग्निशन और डायनेमिक कंट्रोल प्लेटफॉर्म जैसे उन्नत सर्विलांस सिस्टम तैयार करती हैं। डाटा सुरक्षा के लिए नहीं किए जाते कोई इंतजाम ह्यूमन राइट्स वॉच की एशिया उप–निदेशक माया वांग का कहना है, अन्य देश भी निगरानी प्रणालियों का उपयोग करते हैं, लेकिन चीन में पुलिस की मनमानी के खिलाफ बहुत कम सुरक्षा उपाय मौजूद हैं। कनाडा की एक शोध फर्म सेकदेव ग्रुप से जुड़े वाल्टन ने कहा कि प्रत्येक नया प्लेटफॉर्म उन स्थानों की संख्या को बढ़ाता है जहां संवेदनशील व्यक्तिगत डाटा को गलत तरीके से कॉपी किया जा सकता है या बाहरी रूप से खोजा जा सकता है। ऐसे खुला राज चीन में खुफिया निगरानी का खुलासा असुरक्षित पुलिस डैशबोर्ड का डाटा लीक होने से हुआ। दरअसल, एम्सटर्डम के एक साइबर सुरक्षा शोधकर्ता और पत्रकार मार्क होफर एक दिन इंटरनेट पर कुछ खंगाल रहे थे, जब उनकी नजर ओवरसीज पर्सनल के लिए डायनेमिक कंट्रोल प्लेटफॉर्म पर पड़ी। उन्होंने इसे थोड़ा खंगाला तो पाया कि इसकी मदद से चीनी शहर झांगजियाको में विदेशियों पर नजर रखी जा रही थी। झांगजियाको एक लोकप्रिय स्कीइंग स्थल है जिसने 2022 के शीतकालीन ओलंपिक की सह–मेजबानी की थी। डैशबोर्ड के अनुसार, इसमें शहर में रहने वाले 700 से अधिक विदेशी नागरिकों पर नजर रखी जा रही थी।

### ऑस्ट्रेलिया में पुरुषों का यौन उत्पीड़न, पूर्व रग्बी कोच आरोपी, ब्रॉड पीक से तीन और शव बरामद, दो लापता

एजेंसी/ऑस्ट्रेलिया के पूर्व राष्ट्रीय रग्बी कोच और रेडियो प्रस्तोता एलन जोन्स (85) के खिलाफ छह पुरुषों और लड़कों के यौन उत्पीड़न के आरोपों में सोमवार को मुकदमा शुरू हुआ। उन्होंने 2003 से 2020 के बीच लगे अनुचित व्यवहार और यौन स्पर्श के 22 आरोपों में खुद को निर्दोष बताया है। डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में जस्टिस ग्लेन वॉल्श के समक्ष यह सुनवाई चल रही है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 14 साल की उम्र में जोन्स ने उसकी मदद की, लेकिन बाद में अनुचित व्यवहार शुरू कर दिया। वहीं, जोन्स की वकील गैब्रिएल बशीर ने आरोपों को प्रतिद्वंद्विता और मौकापरस्ती से प्रेरित मनगढ़ंत कहानी करार दिया। ब्रॉड पीक हिमस्खलन में जान गंवाने वाले तीन और पर्वतारोहियों के शव बरामद, दो अब भी लापता पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित–बाल्टिस्तान स्थित ब्रॉड पीक पर आए घातक हिमस्खलन में मारे गए तीन और पर्वतारोहियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। 7,000 मीटर की ऊंचाई पर आए इस हिमस्खलन की चपेट में 10 सदस्यीय टीम आ गई थी। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान (एसीपी) के अनुसार, बरामद शवों में दिग्गज ब्रिटिश–नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुरजा, नेपाल के पुर बहादुर गुरुंग, किली पेम्बा शेरपा, नीमा शेरपा, ग्यालु शेरपा, नधीरा अहमद अब्दुल्ला, ओमान के अल हार्थी, अमेरिका की मेलोरी गीस और चीन के वांग झोंग शामिल हैं। पाकिस्तान के सोहेल सखी और नवांग थिंडू शेरपा अब भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। पाकिस्तानरू कराची में बदमाशों की गोलीबारी में पुलिसकर्मी की मौत पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची शहर में अज्ञात बदमाशों की गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जमाली ब्रिज के पास ड्यूटी के दौरान हथियारबंद बदमाशों ने एक पुलिस कांस्टेबल और उसके साथी पर गोली चला दी। कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई, जबकि उसका साथी इस हमले में सुरक्षित बच गया। पाकिस्तान के अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चुनाव के दूसरे चरण में नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने जबरदस्त जीत हासिल की। पार्टी ने चुनाव वाली 18 में से 14 सीटें जीती हैं। 27 जुलाई को पहले चरण में नवाज की पार्टी ने 13 में से नौ सीटें जीतीं थी। पीओके के चुनाव आयुक्त गुलाम मुस्तफा मुगल ने सोमवार को बताया कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने अब तक 31 में से 23 सीटें जीती हैं जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने आठ सीटें हासिल की हैं। पीपीपी को दोनों चरणों में चार–चार सीटें मिली हैं। एपस्टीन का द्वीप खरीदने वाला ताकझांक से परेशान अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के कुख्यात निजी द्वीप लिटिल सेंट जेम्स और ग्रेट सेंट जेम्स अब एक नई वजह से चर्चा में हैं।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227


# नेतन्याहू और बोर्ड ऑफ पीस की बैठक में हमास निरस्त्रीकरण समझौते पर चर्चा, गाजा में शांति कब ?

यरूशलम, एजेंसी। गाजा के युद्ध के बाद के संक्रमण की निगरानी कर रहे बोर्ड ऑफ पीस के अधिकारी ने सोमवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। बोर्ड ऑफ पीस के बयान के अनुसार, इस बैठक में हमास के साथ हुए नए निरस्त्रीकरण समझौते पर चर्चा की गई। क्या बैठक में निरस्त्रीकरण समझौते पर चर्चा हुई? बोर्ड ऑफ पीस के अनुसार, गाजा के उच्च प्रतिनिधि निकोलाय म्लादेनोव ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी टीम के साथ रचनात्मक और विस्तृत बातचीत की। बयान में कहा गया कि उद्देश्य स्पष्ट है और इसमें कोई बदलाव नहीं है। गाजा पट्टी में हथियारों को पूरी तरह हटाना और हथियारों के शासन से नागरिक प्रशासन की ओर संक्रमण सुनिश्चित करना इसका लक्ष्य है। क्या गाजा पर हमले रोकने की भी अपील की गई? बैठक से परिचित दो लोगों के अनुसार, म्लादेनोव ने नेतन्याहू से गाजा

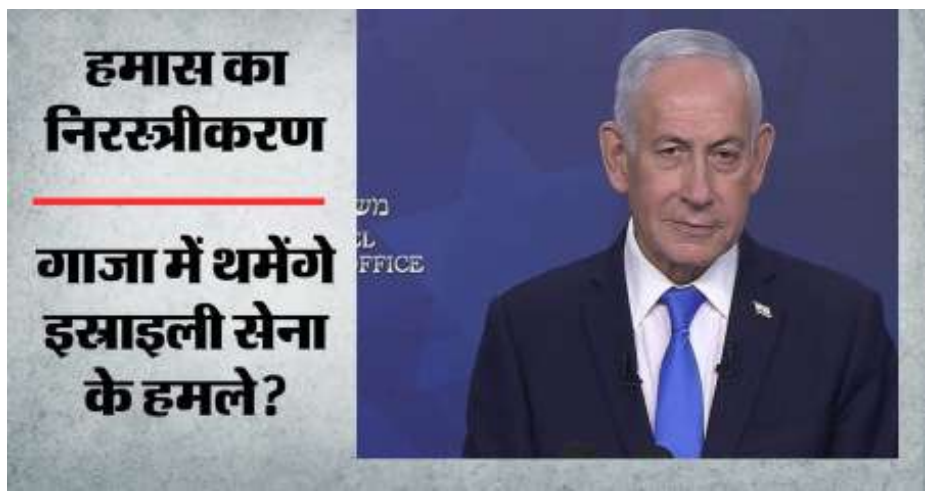


पट्टी पर इस्राइली हमले रोकने का भी आग्रह किया। बताया गया कि म्लादेनोव और उनकी टीम, जिसमें वरिष्ठ सलाहकार एरीये लाइटस्टोन भी शामिल हैं, हमास के हथियारों के निरस्त्रीकरण समझौते को आगे बढ़ाने के साथ–साथ इस्राइल पर हमले रोकने का दबाव बना रहे हैं। हमास बोला– युद्धविराम समझौते के दूसरे चरण पर कायम हमास ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि संगठन और विभिन्न फलस्तीनी गुट युद्धविराम समझौते के दूसरे चरण को लागू करने पर बनी सहमति के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हमास के अनुसार, समझौते के तहत सभी पक्षों को अपनी–अपनी जिम्मेदारियां निभानी हैं। संगठन ने यह भी कहा कि वह निकोलाय म्लादेनोव और मध्यस्थ देशों की ओर से हुए समझौते पर स्पष्ट और आधिकारिक जवाब का इंतजार कर रहा है। गाजा पर इस्राइली हमलों की मध्यस्थ देशों ने की निंदा वहीं, गाजा युद्धविराम वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे मिस्र, कतर और तुर्किये ने सोमवार को संयुक्त बयान जारी कर इस्राइल के लगातार जारी हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों और चिकित्सा ढांचे को निशाना बनाना तथा इसके कारण आम नागरिकों की जान जाना अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का खुला उल्लंघन है। मध्यस्थ देशों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी अपील की कि वह इस्राइल पर समझौते के तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन करने के लिए लगातार दबाव बनाए रखे। क्या समझौता व्यापक युद्धविराम का हिस्सा है? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले गुरुवार इस समझौते की घोषणा की थी। यह समझौता पिछले वर्ष हुए व्यापक युद्धविराम समझौते का हिस्सा है। इसके तहत इस्राइल को अपने सैन्य अभियान रोकने और हमास तथा उसके सहयोगियों को सभी उग्रवादी गतिविधियां बंद करने का प्रस्ताव दिया गया था। समझौते में हथियारों के निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया की भी सामान्य रूपरेखा दी गई है। क्या इस्राइल ने समझौते पर आपत्ति जताई? समझौते का मसौदा सार्वजनिक होने के बाद इस्राइल ने कहा कि उसे इससे जुड़ी षांभीर सुरक्षा चिंताएं हैं और उसने इन्हें अमेरिका के साथ साझा किया है। इसके बाद इस्राइल ने गाजा में हमले तेज कर दिए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, शनिवार रात से रविवार तक हुए हमलों में 17 लोगों की मौत हुई। हालांकि सोमवार को गाजा में किसी हवाई हमले की सूचना दर्ज नहीं की गई। क्या युद्ध में अब तक बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है? अक्तूबर में युद्धविराम समझौता होने के बाद से इस्राइली हमलों में 1,250 लोगों की मौत हो चुकी है। इस समझौते ने दो वर्षों से जारी बड़े संघर्ष को समाप्त किया था। यह युद्ध तब शुरू हुआ था, जब हमास के नेतृत्व वाले लड़ाकों ने दक्षिणी इस्राइल पर हमला किया था। इस हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए थे और 251 लोगों को बंधक बनाया गया था। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इसके बाद इस्राइल के सैन्य अभियान में 73,375 लोगों की मौत हुई है। मंत्रालय के आंकड़े नागरिकों और लड़ाकों में अंतर नहीं करते, लेकिन संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा इन्हें सामान्य तौर पर विश्वसनीय माना जाता है।

# ईरान में अब तक 50 जासूसी के आरोपियों को फांसी, ट्रंप बोले- तेहरान के पास अंतिम अवसर, कब थमेगी जंग ?

एजेंसी/ईरान ने इस्राइल के लिए जासूसी के आरोप में सोमवार को अपने दो और नागरिकों को फांसी दे दी। यह सजा ऐसे तनावपूर्ण समय में दी गई, जब ईरान पहले ही मुश्किल दौर से गुजर रहा है। ईरानी सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ओमिद बेहजाद और पूरिया सफवत पर आरोप था कि उन्होंने पिछली गर्मियों में हुई छोटी लड़ाई और हालिया संघर्ष के दौरान इस्त्राइल को सैन्य और सुरक्षा ठिकानों की लोकेशन (कोऑर्डिनेट्स) के साथ–साथ तस्वीरें और जानकारी भेजी थीं। जनवरी में सरकार विरोधी प्रदर्शनों को दबाने के बाद 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर फिर से हमले किए। इस्राइल की सैन्य रणनीति की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने मार्च में बताया था कि मौजूदा ईरान संघर्ष के दौरान इस्त्राइल ने मुखबिरों से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉप्स के चेकपॉइंट्स को निशाना बनाया था। चार माह में 50 लोगों को फंदे से लटकाया ह्यूमन राइट्स वॉचश की 24 जुलाई को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पिछले चार महीनों में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अस्पष्ट आरोपों में कम से कम

50 लोगों को फांसी दी है। इनमें कई 18 और 19 साल के युवा भी शामिल हैं। जेनेवा में ईरान के स्थायी मिशन ने इस संबंध में टिप्पणी के लिए अनुरोध का अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। हालांकि, तेहरान ने पहले भी कैदियों के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों से इन्कार करता रहा है। ईरान–अमेरिका बातचीत पर क्या बोले ट्रंप, अंतिम अवसर क्यों? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक इंटरव्यू के दौरान कहा, दोनों पक्षों की बातचीत जल्द ही किसी न किसी नतीजे पर पहुंचेगी। यह बहुत जटिल नहीं है। हम होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की बात कर रहे हैं। मंगलवार तक इसे सचमुच खोल दिया जाए। यह पहला चरण है। दूसरे चरण में हम परमाणु मुद्दे पर बात करेंगे। इस मामले में हमारा रुख बहुत सख्त है। उनके (ईरान के) पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। बातचीत अभी भी चल रही है। उनके पास एक अच्छे समझौते पर हस्ताक्षर करने का आखिरी मौका है। ट्रंप ने एक अन्य बयान में सोमवार को ही ईरानी नेतृत्व को श्दोहरे चरित्र वालाश भी बताया। ट्रंप ने कहा कि वह एक तरफ तो अमेरिका के साथ बातचीत के लिए गिड़गिड़ाते रहते हैं और बैठक तय होते ही खुलेआम कहते फिरते हैं कि कोई बातचीत नहीं हो रही है। यहां तक कि होर्मुज स्ट्रेट को लेकर भी बड़े–बड़े दावे करने लगते हैं। ट्रंप ने कहा कि ईरान चाहे कुछ भी दावा करता रहे, लेकिन यह स्पष्ट है कि होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका का नियंत्रण बना हुआ है और जब तक अमेरिका नहीं चाहेगा, तब तक ईरान के पास कुछ भी नहीं पहुंचेगा। अमेरिका को मुंहतोड़ जवाब देने पर क्या बोला ईरान?

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार मोहसेन रेजाई ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों को गंभीरता से लेने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा, ईरान ने रास्ता निर्धारित किया है, इस मार्ग के अलावा किसी भी अन्य समुद्री रास्ते से जहाजों को निकालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, अमेरिका ने (इस्लामाबाद) समझौता ज्ञापन के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए ईरान की व्यवस्थाओं को स्वीकार कर लिया था, लेकिन बाद में समझौते का उल्लंघन किया। अमेरिका ने न केवल समझौता ज्ञापन का उल्लंघन किया बल्कि विवाद सुलझाने के लिए बने समाधान पैनल से चर्चा किए बिना ही हमले शुरू कर दिए। कथित उल्लंघन के बाद ईरान ने जोरदार जवाब दिया। बकौल रेजाई, श्समझौते के उल्लंघन के बाद 17 दिनों तक चले संघर्ष में हमने अमेरिका को करारा झटका दिया। हमने अमेरिका को स्पष्ट कर दिया कि हमारे पास मिसाइलें और आत्मरक्षा की क्षमता दोनों हैं। अगर अमेरिका अनधिकृत मार्ग से होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजता है, तो हम उन्हें निशाना बनाएंगे। हम ईरान द्वारा निर्धारित मार्ग के अलावा किसी अन्य मार्ग को होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थापित नहीं होने देंगे।

### ट्रंप की नई टैरिफ नीति के खिलाफ 25 राज्य, US के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देकर क्या कहा?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति एक बार फिर चर्चा में है। 25 अमेरिकी राज्यों ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इन राज्यों का आरोप है कि ये नए टैरिफ फरवरी में सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए गए आयात करों को बदलने का बहाना हैं। पिछले महीने यानी जुलाई में अमेरिका ने 59 देशों और यूरोपीय संघ पर दोहरे अंक वाले टैरिफ लगाए थे। ये टैरिफ जबरन श्रम से उत्पादित आयात

पर पर्याप्त कार्रवाई न करने के आरोप में लगाए गए। ट्रंप की टैरिफ नीति का विरोध क्यों? नए टैरिफ तब प्रभावी हुए जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए अस्थायी टैरिफ की समय सीमा समाप्त हो गई। सोमवार को (अमेरिकी समय) 25 राज्यों की तरफ से किए गए मकदमे के संबंध में न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने कहा कि प्रशासन अवैध रूप से परिवारों और व्यवसायों पर कर बढ़ा रहा है। ट्रंप का तर्क है कि उच्च टैरिफ अमेरिकी विनिर्माण को पुनर्जीवित करेंगे। उन्होंने 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (प्म्च्।) का हवाला दिया था। उन्होंने व्यापार घाटे को राष्ट्रीय आपातकाल बताते हुए लगभग हर देश से आयात पर टैरिफ लगाए थे। सुप्रीम कोर्ट का फैसला क्या है? लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि प्म्च्। टैरिफ को अधिकृत नहीं करता। इस फैसले के बाद प्रशासन को टैरिफ का भुगतान करने वाले आयातकों को वापसी भेजनी पड़ी। राजस्व की भरपाई के लिए ट्रंप ने अस्थायी 10 फीसदी वैश्विक टैरिफ लगाए, जो 24 जुलाई को समाप्त हो गए। अब ट्रंप 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत अधिक स्थायी टैरिफ लगा रहे हैं। यह धारा राष्ट्रपति को अनुचित व्यापार प्रथाओं में शामिल देशों के खिलाफ आयात कर लगाने की अनुमति देती है।

# क्या बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर भारी पड़ रहा BLF ? 48 अभियानों में 97 सैनिकों को मारने का दावा

क्वेटा , एजेंसी। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने दावा किया है कि उसने पिछले महीने बलूचिस्तान में 48 अभियानों के दौरान 97 पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों और पांच कथित मुखबिरों को मार गिराया, जबकि 15 अन्य सैनिक घायल हुए। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। क्या

बीएलएफ ने किन ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया?

द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, संगठन की मासिक ऑपरेशनल रिपोर्ट में बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वहराम बलूच ने कहा कि अभियानों के दौरान पाकिस्तानी सेना, अन्य सरकारी सुरक्षा बलों, सैन्य और आर्थिक ठिकानों, संचार नेटवर्क तथा निगरानी ढांचे को निशाना बनाया गया। बीएलएफ के अनुसार, ये अभियान काहान, चागई, खारन, कलात, मस्तुंग, खुजदार, बासिमा, मांड, टुम्प, गोमाजी, झाओ, क्वेटा, जमुरान, सुराब, मशकेल, बुलेदा, कराची, पासनी, राखनी, नाल, खुदान, बालनेगवार और मशके में चलाए गए। संगठन का कहना है कि इन कार्रवाइयों का उद्देश्य बलूचिस्तान में पाकिस्तानी राज्य की उस व्यवस्था को कमजोर करना है, जिसे वह औपनिवेशिक ढांचा बताता है। साथ ही उसने दावा किया कि उसका मकसद संसाधनों के दोहन को रोकना और क्षेत्र पर सेना के नियंत्रण को कमजोर करना है। क्या मस्तुंग हमला सबसे घातक कार्रवाई थी?

ग्वहराम बलूच ने 22 जुलाई को मस्तुंग के खादकोचा इलाके में मैक्रो स्टॉप के पास पाकिस्तानी सैन्य काफिले पर हुए हमले को महीने की सबसे बड़ी और सबसे घातक कार्रवाई बताया।संगठन ने दावा किया कि इस हमले में 17 सैनिक मारे गए, 10 अन्य घायल हुए और सैन्य काफिले को भी भारी नुकसान पहुंचा। क्या बीएलएफ ने सप्लाई लाइन बाधित करने का दावा किया?

बीएलएफ का कहना है कि उसके लड़ाकों ने जुलाई के दौरान प्रमुख राजमार्गों पर नौ स्थानों पर नाकेबंदी कर नियंत्रण स्थापित किया, ताकि सेना की सप्लाई लाइनों को बाधित किया जा सके और इलाके में अपनी पकड़ मजबूत की जा सके। संगठन के बयान के अनुसार, सात पाकिस्तानी सैन्य काफिलों पर घात लगाकर हमले किए गए, जिससे सैनिकों और सैन्य सामग्री को नुकसान पहुंचा। इसके अलावा छह बड़े सैन्य शिविरों और सात चेकपोस्टों पर समन्वित हमले करने का भी दावा किया गया।

क्या ड्रोन और निगरानी उपकरण भी नष्ट किए गए?

बीएलएफ ने दावा किया कि उसने हवाई निगरानी में इस्तेमाल होने वाले दो ड्रोन और जमीन पर लगे तीन निगरानी कैमरे नष्ट कर दिए। संगठन के मुताबिक, उसकी कार्रवाइयों और विस्फोटों में 15 सैन्य वाहन तबाह हुए और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों से पांच आधुनिक हथियार भी कब्जे में लिए गए। क्या अलग–अलग गुरिल्ला रणनीतियों का इस्तेमाल किया गया? संगठन के बयान में कहा गया कि जुलाई के दौरान किए गए अभियानों में अलग–अलग गुरिल्ला रणनीतियों का इस्तेमाल किया गया। इनमें भारी हथियारों से 16 हमले, आठ घात लगाकर हमले, पांच खुफिया जानकारी आधारित गुप्त अभियान, चार स्नाइपर हमले, दो ग्रेनेड लॉन्चर हमले, दो आईईडी हमले और एक हैंड ग्रेनेड हमला शामिल था। बीएलएफ का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान में सुरक्षा बलों को निशाना बनाने वाले हमलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है,

### तेल कंपनियों पर बिफरे ट्रंप: शवोन के CEO को अमेरिकी राष्ट्रपति की खरी-खरी, क्या घटेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेल कंपनी शवोन के चेयरमैन और सीईओ माइक वर्थ पर तीखा हमला बोला है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि वर्थ ने कंपनी की सफलता का श्रेय अपनी नीतियों को दिया, लेकिन यह भूल गए कि उनकी सरकार की नीतियों के बिना अमेरिकी तेल उद्योग और देश दोनों मुश्किल में पड़ जाते। साथ ही उन्होंने तेल कंपनियों से उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल–डीजल की खुदरा कीमतें तुरंत कम करने की मांग भी की।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।